तापमान

अधिकतम 34 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 10 अगस्त, 2025

12 पूर्व मंत्री असीम गोयल की कलाई पर बांधी राखियां

12 अंबाला जेल की बेकरी में खाने की चीजों का स्वाद लाजवाब

खबर संक्षेप

चोरी और लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत पुलिस की सीआईए वन ने चोरी, लूट व स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर गिरोह के सरगना सहित चार आरोपियों करनाल के गढी मुंडो गांव निवासी मोहीन, गुलशेर, इनाम व यूपी के शामली जिला के गांव नंगला राई निवासी शाहिद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने आठ माह में सात वारदातें करना कबूला है। सीआईए वन प्रभारी संदीप ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना सेक्टर 13/17 में गांव गढ सरनाई निवासी रविंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है।

युवक ने सुसाइड किया हत्या की आशंका जताई

पानीपत। पानीपत के नूरवाला की जसबीर कालोनी निवासी बृजेश ने कथित रूप से अपने घर में फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। वहीं बृजेश मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कासगंज का निवासी था और अपने परिवार के साथ पानीपत में जीवन यापन करने के लिए आया था। इधर, भाई सर्वेश ने अपने भाई बृजेश की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

व्यक्ति पर किया जानलेवा हमला, अस्पताल में भर्ती

यमुनानगर । शहर के श्रीराम पार्क के पास शाम को अपने घर लौट रहे लक्ष्मी नगर निवासी रमेश राणा पर एक युवक ने तेजधार हथियारों से हमला कर उसे जान से करने का प्रयास किया। राहगीरों ने गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। शहर के डॉक्टर मनोज कुमार ने पुलिस को बताया कि उसका परिचित लक्ष्मी नगर निवासी रमेश राणा शाम को बाजार से घर लौट रहा था। श्रीराम पार्क के पास अज्ञात लड़के ने उसे रास्ते में रोक लिया और उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। रमेश राणा के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटे आई। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया।

खेत से युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

करनाल । गांव बसताड़ा के खेत में शनिवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। गांव के रामफल ने खेत में जाते समय शव देखा और सरपंच सुरेश को सूचना दी। सरपंच ने बताया कि शव मुबारकाबाद रोड के पास पड़ा था। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की उम्र लगभग 30-35 वर्ष है और शव पर केवल कमीज मिली है। घरौंडा डीएसपी मनोज ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

रक्षाबंधन पर दिल्ली रूट पर यात्रियों को करना पड़ा लंबा इंतजार

रोडवेज में मुफ्त यात्रा के लिए महिलाओं के छूटे पसीने, सेहत पर भारी पड़ी बसों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- भीड़ की वजह कई महिलाएं चक्कर खाकर गिरी, अव्यवस्थाओं से बेहद खफा हुईं

रक्षाबंधन पर महिलाओं को हरियाणा रोडवेज की ओर से किए गए प्रबंध रास नहीं आए। बसों में मुफ्त सवारी करने के लिए ज्यादातर महिलाओं को खूब पसीना बहाना पड़ा। सवारियों से भरी बसों में चढ़ने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ी। बसों का भी लंबा इंतजार करना पड़ा।

इस दौरान कई महिलाएं व्यवस्थाओं से बेहद खफा नजर आई। उनका आरोप था कि राज्य सरकार की ओर से महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा का तो ऐलान कर दिया गया लेकिन इसके लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं की। बसों की कमी के कारण महिलाएं बेहद कसरत करती नजर आई। शुक्रवार की तरह शनिवार को भी महिलाओं के साथ दूसरे यात्रियों को भी दिनभर दिल्ली जाने वाली बसों का इंतजार करना पड़ा। कई बसों में तो सवारियां भर-भर के गईं। कुछ बसों में लोगों की सीट ही नहीं मिली। चंडीगढ़ से ही ज्यादातर बसें फुल होकर आ रही थी।

दूसरी तरफ परिवहन समितियों की बसों ने महिलाओं व बच्चों को निशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं दी। इससे महिला यात्रियों की बस परिचालकों से बहस भी हुई। अंबाला रोडवेज डिपो की ओर से रक्षाबंधन के लिए 40 अतिरिक्त बसों का इस्तेमाल कुछ घंटे के लिए किया गया। इसकी वजह से भी महिलाओं व बच्चों को भीड़ से दो चार होना पड़ा। हालांकि ये बसें यमुनानगर, पंचकूला, कालका, चडीगढ़, कैथल, नरवाना, नारनौल मार्ग पर चलाईं गईं, जिससे इन रूटों पर यात्रियों को कुछ राहत जरूर मिली। इसके अलावा अंबाला छावनी और अंबाला सिटी बस अड्डों पर रोजाना के मुकाबले शनिवार को महिलाओं और यात्रियों की संख्या अधिक दिखी।

अंबाला। रक्षाबंधन पर बस में सवार होने का प्रयास करती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

सरकार की ओर से नहीं मिले आदेश : राणा

दि परिवहन समिति के प्रधान रामनाथ राणा ने बताया कि रक्षाबंधन पर निशुल्क बस चलाने के लिए हमारे पास सरकार की तरफ से कोई आदेश नहीं आए हैं। परिवहन समिति की करीब 72 बसें हैं। 10 मार्गों पर इनका संचालन होता है।

रोडवेज की बसों के प्रबंधन के लिए रक्षाबंधन के लिए महिलाओं, बच्चों और यात्रियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए रोडवेज अधिकारियों ने अंबाला छावनी बस अड्डे पर इंस्पेक्टर, सब इंसपेक्टर, स्टैंड इंचार्ज समेत 25 रोडवेज कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं।

40 अतिरिक्त बसों से मिली राहत

रोडवेज की ओर से रक्षाबंधन पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 40 बसों को रिजर्व रखा गया था। इन बसों के संचालन से कुछ रुटों पर यात्रियों को लाभ मिला। खासकर महिला यात्री इन बसों में सवार होकर समय पर अपने गंतव्य पर पहुंचने में कामयाब रही। हालांकि ग्रामीण आंचल के रुटों पर महिलाओं का सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

समय पर नहीं मिली बस

अंबाला छावनी की रहने वाली रेखा ने बताया कि रक्षाबंधन पर उसे दिल्ली जाना था। लंबे इंतजार के बावजूद बस नहीं आई। उसे अपने पति और बच्चे के साथ दिल्ली जाना था लेकिन एक घंटा इंतजार के बाद भी बस नहीं मिली। उन्हें प्राइवेट टैक्सी से दिल्ली जाना पड़ा। इसी तरह अंबाला शहर की रहने वाले चांदनी व सुशीला ने बताया कि उन्हें भी दिल्ली जाना था। काफी देर इंतजार करने के बावजूद कोई बस नहीं आई। जो बसें दिल्ली जा रही थी उनमें पहले ही इतनी भीड़ थी कि अंदर घुसना किसी चुनौती से कम नहीं था। इसी तरह चंडीगढ़ से आई रेखा भाटिया ने बताया कि उन्हें रूड़की जाना था लेकिन डेढ़ घंटा इंतजार पर भी बस नहीं मिली। वे परिवार के साथ काफी देर तक इंतजार करती रही। इसी तरह दिल्ली जाने वाले ज्यादातर यात्री बेहद परेशान रहे। संगीता ने बताया कि वह चंडीगढ़ से अपने भाई को राखी बांधने के लिए दिल्ली के लिए निकली थी। चंडीगढ़ से तो वह अंबाला छावनी तक बिना दिक्कत के आ गई लेकिन अब दिल्ली जाना ही दूभर हो गया।

अनाज मंडी आढ़ती ने तीन लड़कियों की परवरिश करने की जिम्मेदारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

अनाज मंडी इंद्री में आढ़त की दुकान करने वाले समाजसेवी व पूर्व मंडी प्रधान साहब सिंह डब्बास ने राखी के पावन पर्व के मौके पर तीन लड़कियों की परवरिश करने की जिम्मेवारी लेकर सुतली के धागे की राखी बंधवा कर मिसाल पेश की है।

साहब सिंह डब्बास ने बताया कि राखी के पावन पर्व के अवसर पर उन्होंने तीन लड़कियों की पढ़ाई, रहने व खाने की व्यवस्था आदि करने की पूरी जिम्मेवारी ली है । उन्होंने बताया कि लड़कियों का पिता बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला है और काम की तलाश में इंद्री अनाज मंडी में पहुंचा । जब वह उनकी दुकान पर आया तो उसने बिहार से आए मजदूर को रहने के लिए कमरा देकर काम पर रख लिया । जब पता चला कि मजदूर की तीन छोटी लडकियां भी है तो रक्षाबंधन के मौके पर तीनों लड़कियों से सुतली के धागे की राखी बंधवा कर उनकी पूरी परवरिश करने की जिम्मेवारी ले ली है । उन्होंने बताया कि वे लड़कियों का पूरा खर्च स्वयं वहन करेंगे और कल ही तीनों लड़कियों का स्कूल में दाखिला करवा देंगे ।

इंद्री। रक्षाबंधन के मौके पर राखी बंधवाते साहब सिंह डब्बास । फोटो : हरिभूमि

राज्य सरकार समेत नौ विभागों को दिया नोटिस

- तालाब की 32 एकड़ जमीन पर कब्जे के मामले में एनजीटी की एंट्री
- शिकायत के बावजूद किसी विभाग ने नहीं की कार्रवाई, अब 15 अक्तूबर को होगी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के सेक्टर 7 में तालाब की 32 एकड़ 69 मरले जमीन पर कब्जे के मामले में अब एनजीटी की एंट्री हो गई है। कुछ लोगों ने तालाब में मिट्टी डालकर उस पर कब्जा कर लिया है।

इस मामले में एनजीटी कोर्ट ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव के जरिए हरियाणा सरकार समेत 9 विभागों को नोटिस जारी किया है। नोटिस के माध्यम से एनजीटी ने हलफनामा भी मांगा है। एनजीटी ने मुख्य सचिव के अलावा पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, तालाब प्रबंधन प्राधिकरण, उपायुक्त अंबाला, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, डीटीपी व नगर निगम शामिल हैं। कोर्ट ने आगामी सुनवाई से एक सप्ताह पहले संबंधित पक्षकारों से हलफनामा मांगा है। दरअसल अंबाला शहर के सैक्टर 7 के रहने वलो अखिलेश चोपड़ा ने 15 जुलाई को एनजीटी में एक याचिका दायर की गई थी। चोपड़ा ने याचिका में पुख्ता सबूतों के आधार पर तालाब की जमीन के बड़े हिस्से पर कुछ प्राइवेट लोगों के कब्जे की बात कही थी।उनका आरोप था कि इस जमीन पर प्राइवेट कॉलोनी डिवेलप करने के मकसद से तालाब को मिट्टी डालकर बंद किया जा रहा है। जबकि तालाब में सेक्टर 7 व आसपास की कॉलोनियों के बरसाती पानी की निकासी होती थी। इस पर विभागीय अधिकारियों पर शिकायत की गई थी लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।

याचिका पर सुनवाई करते हुए इस मामले की एनजीटी ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किए। इस मामले की सुनवाई अब 15 अक्तूबर तक टाल दी गई है।

याची ने ये सबूत पेश किए

इस मामले में याचिकाकर्ता अखिलेश चोपड़ा ने कोर्ट को तीन प्रमुख साक्ष्य दिए जिसमें पहले में गूगल मैप की तस्वीर दिखाई गई जिसमें सेक्टर सात के पास तालाब दिखाई देता है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि सेक्टर सात का पानी इसी तालाब में जाता था। क्योंकि यह निचला इलाका था, इसके बाद इस जमीन पर कुछ प्राइवेट लोगों कब्जा कर दिया। अब वे यहां रियल एस्टेट का प्लान तैयार कर रहे हैं। चोपड़ा ने दूसरा साक्ष्य डीटीपी की आरटीआई से जुड़ी रिपोर्ट पेश की जिसमें उन्होंने अपने रिकॉर्ड में इस स्थान पर जल निस्तारण का स्थान बताया। तीसरा साक्ष्य राजस्व विभाग का रिकॉर्ड दिया। उन्होंने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के दस्तावेज भी दिए जिसमें इस जमीन को निचली जमीन माना है। अखिलेश ने बताया कि तालाब प्रबंधन प्राधिकरण पंचकूला को भी शिकायत दी थी। पहले तो यह शिकायत पोर्टल से गायब हो गई। जब इस मामले को शिकायतकर्ता ने उठाया तो शिकायत वापस आ गई, हालांकि प्राधिकरण ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जबकि यह प्राधिकरण प्रदेश में तालाबों को संरक्षित करने का काम करता है। ।

अमेरिका भेजने के नाम पर 33.50 लाख हड़पे

- महिला एजेंट व उसके पति पर मुकदमा

करनाल। अमेरिका में रोजगार दिलाने के नाम पर एक युवक से 33 लाख 50 हजार रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक महिला एजेंट और उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ओल्ड बहादुर चंद कॉलोनी निवासी रिंकू ने बताया कि वह अमेरिका जाकर काम करना चाहता था। इस दौरान उसकी मुलाकात शोभा नामक महिला से हुई, जिसने उसे भरोसा दिलाया कि वह उसे अमेरिका भेज देगी, लेकिन इसके लिए 33.50 लाख रुपये खर्च होंगे। मार्च 2022 में रिंकू ने 15 लाख रुपये नकद दिए, जिसके बाद अप्रैल में उसे दुबई भेजा गया, जहां वह करीब तीन माह रहा। फिर शोभा ने उसे सर्बिया भेजा और 5 लाख रुपये और मांगे। यह रकम रिंकू के परिजनों ने मुगल कैनाल स्थित शोभा के कार्यालय में दी। इसके बाद रिंकू को ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल, स्पेन, नीदरलैंड और मैक्सिको भेजा गया। 27 सितंबर 2023 को शोभा ने नोटरी से सत्यापित सहमति पत्र भी दिया और रिंकू की मां के नाम 20 लाख रुपये का चेक सिक्योरिटी के रूप में जारी किया। लेकिन मैक्सिको पहुंचने पर आरोपी महिला और उसके पति तेजबीर ने फिर रुपये मांगे। परिवार ने पूरी रकम दे दी, फिर भी रिंकू को मैक्सिको एयरपोर्ट से भारत भेज दिया गया।

युवक पर किया चाकू से हमला, छह पर केस दर्ज

निगदू। गांव निगदू में एक युवक पर चाकुओं से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव निगदू निवासी बलराम ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे वह सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के पास गांव के ही सुनील के साथ खड़ा था। इस दौरान छह युवक वहां आए और चाकुओं से हमला कर दिया। तीन हमलावरों की पहचान चिराग, सागर और रज्जा के रूप में हुई है, जो गांव कारसा डोड के निवासी हैं, जबकि अन्य तीन की पहचान नहीं हो पाई है। घायल बलराम का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सवारियों से भरी रोडवेज बस डिवाइडर पर चढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हाइवे पर कल्याण फार्म हाउस के सामने शनिवार को सुबह सवारियों की खचाखच हरियाणा रोडवेज की बस का अचानक संतुलन बिगड़ गया। बस डिवाइडर पर चढ़ गई। बस के डिवाइडर पर चढ़ते ही सवारियोंमें अफरा तफरी मच गई। जैसे ही घटना की सूचना हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को मिली तो वे सवारियों की मदद के लिए दौड़ पड़े और सवारियों का हालचाल जाना। गनीमत रही कि किसी भी सवारी को चोट नहीं लगी।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शनिवार को करनाल-पानीपत मार्ग पर एक हरियाणा रोडवेज बस हादसे का शिकार हो गई। घटना कल्याण फार्म हाउस के पास उस समय हुई, जब बस करनाल से पानीपत की ओर जा रही थी। अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़ गई, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। पुरुष और महिला सवारियां चिल्लाने लगीं और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।गनीमत रही कि इस हादसे में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ और सभी सुरक्षित रहे। जैसे ही इस घटना की सूचना हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण को मिली, वे तुरंत अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे। स्पीकर कल्याण ने यात्रियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने बस चालक और परिचालक से भी बात की और उनका हाल जाना। स्पीकर कल्याण ने चालक व परिचालक को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में हमेशा सावधानी से वाहन चलाएं, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

घरौंडा। विस अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने लिया स्थिति का जायजा। फोटो : हरिभूमि

भाकियू ने भरी हुंकार, गांव-गांव में छेड़ा प्रचार अभियान, बैठकों का सिलसिला शुरू

13 अगस्त को देशभर में एसकेएम निकालेगा ट्रैक्टर मार्च

- शेखुपुरा जांगीर की जाट चौपाल में किया किसान मजदूर पंचायत का किया आयोजन
- मार्च के दौरान 80 ट्रैक्टर शामिल होने का किया दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

आने वाली 13 अगस्त को देशभर में जिला मुख्यालयों पर रोष स्वरूप निकाली जाने वाली ट्रैक्टर रैलियों को प्रभावी बनाने के लिए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकर्ताओं ने कमर कसते हुए गांव-गांव में किसानों की बैठकों को आयोजित करने का सिलसिला शुरू हो गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा भारत (एसकेएम)के आह्वान पर किसानों की लंबित मांगो को लेकर देशभर में आने वाली 13 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर कॉरपोरेट भारत छोडो की नारेबाजी करने के साथ साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंक कर ट्रैक्टर रैलियां व रोष मार्च भी निकाला जाएगा। इसी सिलसिले को लेकर शनिवार की सुबह सवेरे करनाल विकास खंड के गांव शेखुपुरा जांगीर की जाट चौपाल में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में भाकियू नेता महताब कादियान व सुरेंद्र सागवान ने प्रमुख तौर पर शिरकत की।

बैठक का संचालन कार्यालय सचिव राजकुमार नौतना ने किया। किसान नेताओं ने बैठक में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली में चले किसान आंदोलन ने यह दिखा दिया है कि संगठित किसान आंदोलन के बिना सरकार पर दबाव नहीं बनाया जा सकता। अब भी किसान-श्रमिकों का एकजुट संघर्ष ही सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकमात्र विकल्प है।

किसान नेताओं ने 13 अगस्त को अपने अपने ट्रेक्टर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लेकर रोष मार्च में शामिल होंने की जोरदार अपील की। जिसका किसानों ने हाथ उठा कर समर्थन किया। बैठक में किसानों ने करीब 80 ट्रेक्टरों की रोष मार्च में शामिल होंने की सूचि तैयार की। रोष मार्च निकालने को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह दिखाई दिया।

करनाल। गांव शेखुपुरा जागीर की चौपाल में नारेबाजी करते हुए भाकियू कार्यकर्ता।

प्रचार कमेटियों का किया गठन

जिला मुख्यालयों पर रोष स्वरूप निकाली जाने वाली ट्रेर्क्टर रैलियों को प्रभावी बनाने के लिए के भाकियू की ओर से खंड स्तरीय प्रचार कमेटियों का गठन किया गया है। जिला मुख्यालय से जारी की गई सूचि में विकास खंड करनाल में सुरेंद्र सागवान, महताब कादियान, कर्ण कालियां, चेयरमैन साहब सिंह बाजवा, खंड प्रधान दरविंद्र सिंह गौराया इसी तरह इंद्री खंड में प्रधान दिलावर सिंह डबकोली, नेकी राम गढ़ी बीरबल, सतबीर मंढाण, सतीश डाबरा, राजपाल रींडल व नीलोखेडी खंड में महासचिव भूपेंद्र सिंह लाडी, बाबू राम बडथल, बाबूराम डाबरथला तथा निसिंग खंड में चेयरमैन यशपाल राणा, शाम सिंह मान, प्रधान जोगिंद्र बस्तली, प्रेमचंद शाहपुर, रामफल नरवाल, खंड घरोंडा में सुरेंद्र घुम्मन, प्रधान धनेतर राणा, डॉ. सत्यवीर तौमर, सुरेंद्र बैनीवाल, राम दुरेजा, इसी प्रकार खंड असंध में प्रधान जोगिंद्र झींडा, ऋषि पाल, प्रेम सागवान बल्ला, महेंद्र थल, रणजीत जलमाना के नाम शामिल किए गए है।

महिला ने देवर पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप

- महिला थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को गुजरात पुलिस को किया ट्रांसफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर की एक कालोनी निवासी महिला ने भिवानी निवासी अपने देवर पर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। घटना गुजरात के सूरत जिले की है। यमुनानगर की महिला थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को सूरत पुलिस को ट्रांसफर कर दिया।

शहर की एक कालोनी निवासी 31 वर्षीय महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 16 जून 2014 को भिवानी के सेक्टर 13 निवासी एक व्यक्ति के साथ हुई थी। शादी के बाद उसके पास दो बच्चे हुए। उसका पति गुजरात के सूरत में सीआईएसएफ में नौकरी करता है। शादी के बाद से उसके पति व ससुराल पक्ष के लोगों का उसके प्रति व्यवहार ठीक नहीं था। जिसके बाद से वह अपने बच्चों को लेकर अपने मायके यमुनानगर आ गई।

25 नवंबर 2024 को उसका पति उसे लेने के लिए यमुनानगर आया। उसके पति ने उसे ठीक प्रकार से रखने का वादा कर उसे अपने साथ भिवानी ले गया। वहां पर चार पांच दिन रुकने के बाद वह सूरत में चले गए। महिला ने बताया कि इस वर्ष होली वाले दिन उसका देवर दीपक उनके घर सूरत में पहुच गया। वहां पर दोनों भाइयों ने रात को शराब पी। इसके बाद उसका पति वहां से चला गया। उसके देवर ने बच्चों को एक कमरे में बंद करके उसे दूसरे रूम में लेकर गया। जहां पर आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया।

खबर संक्षेप

सावन पूर्णिमा पर कृष्ण गोशाला में किया हवन

करनाल। सावन पूर्णिमा और रक्षा बंधन के अवसर पर श्री कृष्ण गऊशाला में हवन यज्ञ का आयोजन किया। देवधाम में हुए हवन यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य कपिल अत्रेजा और करनाल व्यापार मंडल के अध्यक्ष नरेंद्र भांबा ने शिरकत की। हवन यज्ञ में आहूतियां डालने के बाद सभी ने गऊशाला में गायों की परिक्रमा की। गायों की पूजा की और गुड़ व चारा खिलाकर सेवा कार्य किया। इस मौके पर श्री कृष्ण गऊशाला के प्रधान सुनील गुप्ता ने कहा कि हर अमावस्या और पूर्णिमा के अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन किया जाता है।

अंबेडकर समाज कल्याण सभा का चुनाव आज

करनाल। अंबेडकर समाज कल्याण सभा का त्रिवार्षिक चुनाव अंबेडकर भवन सेक्टर 16 में 10 अगस्त को होगा। प्रधान पद के लिए अमर सिंह पातलान और बलबीर सिंह मुंडे प्रत्याशी हैं। महामंत्री पद के लिए बलवंत सिंह और रमेश कुमार उम्मीदवार हैं। वित्त सचिव पद के लिए देसराज व श्याम लाल प्रत्याशी हैं। इन सभी पदों के लिए चुनाव होगा। चुनाव अधिकारी सोम सिंह काजल ने बताया कि अंबेडकर समाज कल्याण सभा के कुल 484 आजीवन सदस्य हैं। यह सभी जिला रजिस्ट्रार फर्म व सोसाइटी द्वारा वोट डालने के लिए अधिकृत हैं। रविवार को चुनाव प्रक्रिया सुबह आठ बजे शुरू होगी और जोकि सायं चार बजे तक चलेगी। इसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे।

डीएवी. कॉलेज की एनएसएस इकाई को किया सम्मानित

करनाल। जिले के गांव सीतामाई में जिला वन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान डी.ए.वी. कॉलेज करनाल की एनएसएस इकाई को पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण, पराली न जलाने के लिए जागरूकता अभियान तथा स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने तथा पटाखे न जलाने को लेकर उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने कॉलेज के एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी एवं राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. बलराम शर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने डॉ. बलराम शर्मा के मार्गदर्शन में एनएसएस इकाई द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं के ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि डॉ. बलराम शर्मा न केवल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को जिलेभर में बड़े उत्साह से मनाया

बहनों ने भाइयों की कलाई पर सजाया रक्षासूत्र, बाजारों में उमड़ी भीड़, सड़कों पर जाम, बस-ट्रेनों में रही धक्का-मुक्की

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को करनाल में बड़े उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर के बाजारों में रौनक का नजारा देखने को मिला। रंग-बिरंगी राखियों, चॉकलेट, मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। राखियों से सजी दुकानों पर बहनों की आवाजाही इतनी ज्यादा थी कि कई जगह लंबी कतारें लग गईं।

मुख्य बाजार में जाम

मार्केट में भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। वाहन रेंगते रहे और जगह-जगह पार्किंग की अव्यवस्था ने राहगीरों को परेशान किया। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। सुबह से ही कई भाई अपनी बहनों को लाने के लिए अलग-अलग शहरों से बस और ट्रेन से पहुंचे, जबकि शाम होते-होते बहनों को छोड़ने वालों का भी तांता लग गया। कुछ बसें खचाखच भरी रहीं और रेलवे प्लेटफार्म पर टिकट काउंटरों के बाहर लंबी लाइने देखी गईं। त्योहार के मद्देनज़र ट्रैफिक पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त जवान तैनात किए। पुलिस अधिकारियों ने दोपहिया चालकों को बिना हेलमेट व गलत पार्किंग से बचने की हिदायत दी।

यातायात निरीक्षक ने बताया कि त्योहार के कारण भीड़ बढ़ी, लेकिन टीम ने लगातार निगरानी रखकर स्थिति संभाली। नगर निगम ने भी सफाई कर्मियों की ड्यूटी बढ़ाकर बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने का प्रयास किया। घरों में सुबह से ही त्योहारी चहल-पहल शुरू हो गई थी। बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हुए उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं भाईयों ने बहनों को उपहार देकर जीवन भर रक्षा का वचन दोहराया। कई परिवारों में यह मिलन-पर्व गीत-संगीत और स्वादिष्ट पकवानों के साथ और खास बन गया।

सामाजिक संस्थाओं ने करवाए विशेष कार्यकम

अवि, डिम्पी, एन्जल, लड्डू, पाखी, हिमानी और भव्या ने अपने भाई कान्हा, एकांश और शिवाय की कलाई पर राखी सजाकर प्यार और अपनत्व का संदेश दिया। शहर के मंदिरों, गुरुद्वारों और सामाजिक संस्थाओं में भी रक्षाबंधन पर विशेष आयोजन हुए। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर पर्व की शोभा बढ़ाई, जबकि बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह झलक रहा था। शहर का हर कोना रक्षाबंधन की मिठास और भाईचारे की महक से सराबोर रहा, लेकिन बाजार की भीड़, सड़कों पर जाम और बस-ट्रेन की भीड़भाड़ ने त्योहार की इस रौनक में हल्की-सी अव्यवस्था का रंग भी भर दिया।

करनाल। कांग्रेस नेता इंद्रजीत सिंह गोराया बहन कुमारी सैलजा से राखी बंधवाते हुए एवं बातचीत करते हुए व पावन फाउंडेशन के पदाधिकारी मुख्य अतिथि बी .के शीविका दीदी को सम्मानित करते हुए।

इंद्रजीत सिंह गोराया ने कुमारी सैलजा से राखी बंधवाई

करनाल। ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य इंद्रजीत सिंह गोराया ने राखी के पावन पर्व पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा से हिसार में मुलाकात कर उनसे राखी बंधवाई। इस अवसर पर पारंपरिक विधि-विधान के साथ राखी बांधी गई और मिठाई खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। इंद्रजीत सिंह गोराया ने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के अटूट बंधन का प्रतीक है। यह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, अपनापन और पारस्परिक सम्मान का संदेश देने वाला पर्व है। कुमारी सैलजा ने भी इंद्रजीत सिंह गोराया को रक्षा बंधन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस आत्मीय क्षण को साझा किया।

भाई और बहन का रिश्ता इस ब्रह्माण्ड में सबसे पवित्र रिश्ता : शीविका दीदी

करनाल। पावन विजन फाउंडेशन की ओर से अपना आशियाना करनाल में रक्षा बंधन का पर्व मनाया गया। इस मौके पर मुख्य तौर पर ब्रह्मा कुमारी आश्रम से शीविका दीदी मौजूद रहीं। जिन्होंने स्वयं अपने हाथों से अपना आशियाना में रहने वाले प्रभुओं को राखी बांधी और उनका मीठा मुंह करवाया। इस मौके पर उन्होंने रक्षा बंधन पर्व को पवित्रता का प्रतीक बताते हुए कहा कि भाई और बहन का रिश्ता इस ब्रह्माण्ड में सबसे पवित्र रिश्ता होता है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को राखी बांध कर उनके दिल में आज बहुत ही खुशी हो रही है और बहुत ही दुआएं मिल रही है। उन्होंने इस मौके पर प्रभु से प्रार्थना करते हुए कहा कि यह लोग जहां भी रहें स्वस्थ व खुश रहें। इस मौके पर पावन विजन फाउंडेशन की अध्यक्षा नेहा अरोड़ा ने भी अपना आशियाना में रहने वाले सभी को राखी बांध मीठा मुंह करवाया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर बी के शीविका दीदी, पावन फाउंडेशन अध्यक्षा नेहा अरोड़ा, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष चंडीगढ़ के पी.आर.ओ संदीप साहिल, एडवोकेट कमल अरोड़ा, अमित मुंजाल, मुकेश धींगरा, निधि, राजेश ग्रोवर,श्रवण बहल,और ज्योति मौजूद रहे।

श्री राम मंदिर में सावन माह के अंतिम दिन गूंजे भगवान भोलेनाथ के जयकारे

भोले बाबा का श्रृंगार करते भक्तजन।

- भजन गायको ने किया भोले बाबा की महिमा का गुणगान
- महाराज श्री को प्रधान ने पगड़ी पहनकर सम्मानित किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

श्री राम मंदिर सेक्टर आठ में सावन माह के अंतिम दिन भोलेनाथ के जयकारों से मंदिर गूंज उठा। विशेष रूप से नैनीताल से पधारे संत शशांक भारद्वाज ने अमृतवेला में शिव भक्तों को आशीर्वचन दिया। महाराज श्री को प्रधान ने पगड़ी पहनकर सम्मानित किया। बेंगलुरु से पहुंची सुभा शर्मा ने भोलेनाथ का फूलों की लड़ी से अति सुंदर श्रृंगार किया। महाकाल की उपस्थिति नजर आ रही थी। मुख्य यजमान के रूप में चंद्र प्रकाश मदान व प्रभु दयाल कालड़ा ने शिरकत की। पंडित अनिल द्विवेदी एवं पंडित हरीश आचार्य ने मंत्रोच्चारण से पूजन कार्य करवाया। भजनों की गंगा में अनु खट्टर ने भोले तेरे दीवाने हम ओम जपेंगे ओम जपेंगे भोले को मनाएंगे भजन गाया। इस अवसर पर रविंद्र बत्रा, संगीता बत्रा, प्रवीण बत्रा, सुमन बत्रा व सुषमा गोस्वामी ने कलश यात्रा में भाग लिया। बाद में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर सरिता तनेजा, ऊषा बत्रा, डा. प्रभजोत कौर, डा. हरदीप सिंह, जगन बत्रा, महेंद्र बत्रा, मुरारी बत्रा आदि मौजूद रहे।

अंडर-11 में अदविक ने गोल्ड मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय स्कूल गेम्स डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन कान्वेंट स्कूल में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल व कान्वेंट स्कूल की प्रिंसिपल लोबीना पिंटो और हैड मिस्ट्रेस सिस्टर तारा के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया गया। कान्वेंट स्कूल के स्पोटर्स इंचार्ज राजीव तथा स्केटिंग कोच संजय गोयल ने बताया कि प्रतियोगिता में करनाल, असंध, निगदू, नीलोखेड़ी, इंद्री व घरौंडा ब्लॉक के स्केटर्स ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 वर्ग में किया गया। जिला शिक्षा विभाग की तरफ से विजयपाल, सावित्री देवी व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रिंसिपल निधि चौधरी ने प्रतिभागियों के डाक्यूमेंट चैक किए व उनका मार्गदर्शन किया। टैगोर बाल निकेतन स्कूल से अजमेर सिंह, रमेश चंद, पंकज बत्तरा, जजपाल सिंह, हरप्रीत सिंह, रेखा व महिंद्र सिंह ने प्रतियोगिता के संचालन में योगदान दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम

इनलाइन रिंग रेस अंडर-11 लड़कों में अदविक ने एक गोल्ड मेडल, राघव आर्य ने सिल्वर तथा गर्व कांबोज ने एक रजत पदक जीता। अंडर-14 में वंश जाखर ने एक गोल्ड, देवांश बत्तरा ने सिल्वर व आरव गर्ग ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-17 में नमन हुड्डा ने एक गोल्ड, छत्रपत्ति कुणाल ने एक सिल्वर व दक्ष अग्रवाल ने ब्रांज मेडल जीता। अंडर-19 में आदित्य ने एक गोल्ड मेडल जीता। लड़कियों में अंडर-11 आयु वर्ग में दित्या खंडोल ने एक गोल्ड, वाही सिंह ने एक सिल्वर तथा तनवी ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-14 में गौरांशी चौहान ने एक गोल्ड, कर्णिका कंडोल ने सिल्वर तथा तृषा ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-17 में भव्या विग ने एक गोल्ड, अनन्या गुप्ता ने एक सिल्वर मेडल जीता।

क्वार्ड रेस अंडर-11 आयु वर्ग लडक़ों में खुशिल ने एक गोल्ड, सिद्धार्थ कौशिक ने एक सिल्वर तथा मणिक ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-14 आयु वर्ग में पार्थ चौहान ने एक गोल्ड, तनिष ने एक सिल्वर तथा समरवीर ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-17 में वेदन ने एक गोल्ड, रक्षित ने एक सिल्वर तथा हर्ष ने ब्रांज मेडल जीता। अंडर-19 में दिनेश यादव ने एक गोल्ड, रोशन सिंह ने एक सिल्वर तथा आयुष गोयल ने एक ब्रांज मेडल जीता। लड़कियों में अंडर-11 आयु वर्ग में मायरा गांधी ने एक गोल्ड, परिणका ने एक सिल्वर तथा प्रियल ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-14 आयु वर्ग में तवलीन ने एक गोल्ड, गरिमा अरोड़ा ने एक सिल्वर तथा खुशी ने ब्रांज मेडल जीता। अंडर-17 में रिषिका रॉय ने एक गोल्ड, भविका ने एक सिल्वर तथा नवनीत ने एक ब्रांज मेडल जीता। अंडर-19 में साविका शर्मा ने एक गोल्ड व विमल ने एक सिल्वर मेडल जीता।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने मूल पेंशन में वृद्धि की मांग की

करनाल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की खंड असंध की मासिक मीटिंग खंड प्रधान कर्मवीर ढुहन की अध्यक्षता में प्रजापति (कुम्हार) धर्मशाला असंध में हुई। बैठक का संचालन खंड सचिव राम मेहर ने किया। विशेष रूप से नसीब राणा, कर्मवीर शर्मा, महेंद्र मान, सुरेंद्र सिंह रावत, व बलराज सिंह ने कर्मचारियों को संबोधित किया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पूरे देश के सभी सरकारी विभागों, बोर्ड, निगम, कार्पोरेशन, मान्यता प्राप्त संस्थाओं के रिटायर्ड कर्मचारी पैंशन वित विधेयक के विरोध में 17 सितंबर को जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। अन्य मांगों का जिक्र करते हुए कहा गया कि कम्यूट की गई राशि सभी राज्यों में 11 वर्ष तक ही काटी जाए। 65 व 75 वर्ष आयु होने पर क्रमश: 10 व 20 प्रतिशत मूल पेंशन में वृद्धि की जाए। बैठक में संगठन मजबूती के लिए सदस्यता बढ़ाने, साथियों के पैंडिंग काम लिखित में लाने, तानाशाही के विरुद्ध आवाज उठाने बारे चर्चा की गई। नौ जुलाई की हड़ताल व 15 जुलाई को जिला उपायुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन की सफलता पर सभी कर्मचारियों की सराहना की। इस अवसर पर राम हित राम, रामकुमार, त्रिलोकी नाथ, चरणदास, मनीराम, नसीब राणा, राम मेहर, कर्मवीर, सुरेंद्र रावत, महेन्द्र सिंह व बलराज सिंह मौजूद रहे।

संगीता चोपड़ा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

- पुण्यतिथि पर पहुंचे लोगों ने किया रक्तदान, किया उन्हें नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

संगीता चोपड़ा की पुण्यातिथि पर रक्तदान करते हुए रक्तदाता।

लक्ष्य जनहित सोसायटी ने आज अपनी लक्ष्य चैरिटेबल ब्लड सेंटर में संगीता चोपड़ा की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर विशेष रूप से पहुंचीं उनकी सुपुत्री स्नेह चोपड़ा ने बताया कि उनकी माता जी प्रारंभ से ही कृपाल सागर आश्रम से जुड़ी रहीं और सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती थीं।

उन्हें देखकर ही परिवार में सेवा का जज़्बा पैदा हुआ और भाइयों से सलाह के बाद यह शिविर आयोजित किया गया। लक्ष्य जनहित सोसायटी के फाउंडर दिनेश बख्शी ने कहा कि आज के समय में जब कुछ लोग अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ देते हैं, ऐसे में चोपड़ा परिवार द्वारा मां की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित करना प्रेरणादायक है। इससे अन्य लोगों को भी सीख लेनी चाहिए और माता-पिता की पुण्यतिथि या जन्मदिन पर ऐसे सामाजिक कार्य करने चाहिए। शिविर में लक्ष्य चैरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम के डॉक्टर जगबीर, सचिन धवन, सीमा राणा, पूनम और तरुण ने रक्त एकत्रित किया।

कॉन्वेंट स्कूल ने क्रिकेट मैच जीता

करनाल। जिला शिक्षा विभाग द्वारा अंडर-14 आयु वर्ग ब्लॉक स्तरीय जोनल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन सेक्टर नौ क्रिकेट ग्राउंड में किया गया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सेंट थेरेसा कान्वेंट स्कूल और दयाल सिंह पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। 12-12 ओवर के मैच में कान्वेंट स्कूल की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की। जसबीर मान ने 31 गेंदों पर शानदार 65 रनों की पारी खेली। कान्वेंट स्कूल की टीम ने 12 ओवर में 144 रन बनाए। 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दयाल सिंह पब्लिक स्कूल की टीम 79 रन ही बना सकी। कान्वेंट स्कूल की टीम के गेंदबाज ध्रुव ने तीन ओवर में तीन विकेट लिए। इस प्रकार कान्वेंट स्कूल ने यह मैच 65 रनों से जीत लिया। कान्वेंट स्कूल की प्रिंसिपल लोबीना पिंटो और हैड मिस्ट्रेस सिस्टर तारा ने पूरी टीम और कान्वेंट स्कूल के स्पोटर्स इंचार्ज व क्रिकेट कोच राजीव को बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तिरंगा यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर, विधायक भगवानदस ने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई

नीलोखेड़ी। हल्के में 11 अगस्त को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने तरावड़ी मंडल कार्यकर्ताओं की एक विशेष बैठक बुलाई। बैठक में यात्रा की रूपरेखा, रूट और व्यवस्थाओं को लेकर गहन चर्चा की गई और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कितिरंगा यात्रा केवल एक शोभायात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य हर नागरिक के मन में देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त करना है। यह यात्रा युवाओं को प्रेरित करेगी और हमारे गौरवशाली तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और बल देगी। बैठक में तरावड़ी मंडल प्रभारी इलम सिंह ने भी कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से सहयोग करें ताकि यात्रा अनुशासित, सुरक्षित और भव्य रूप में संपन्न हो। विधायक कबीरपंथी ने आगे कहा कि देश की एकता, अखंडता और तिरंगे के सम्मान को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। हर गांव और कस्बे से देशभक्ति की लहर उठे, इसी उद्देश्य के साथ यह यात्रा निकाली जा रही है। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी और अनेक गांवों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी को जिम्मेदारियां सौंपते हुए समर्पण और अनुशासन के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। यह रहेगा तिरंगा यात्रा का रूट : हल्के के विधायक भगवानदास कबीरपंथी के नेतृत्व में निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा अंजनथली रोड से शुरू होगी, जो मेन बाजार चौक छाबड़ा मोबाईल के पास से होती हुई सौंकड़ा पुलिया पर पहुंचेगी, इसके बाद यात्रा जी.टी. रोड तरावड़ी से होते हुए नीलोखेड़ी, निगदू, कोयर माजरा, अमुपुर, बस्तली एवं निसिंग में पहुंचेगी।

सीएम के नेतृत्व में प्रदेश बनेगा स्वच्छता का सिरमौर: सुभाष चंद्र

करनाल। नायब सरकार के 2.0 के कार्यकाल में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के परिणाम ने साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंदीदा विषय स्वच्छ भारत मिशन को सरकार,प्रशासन और प्रदेश की जनता बेहद गंभीरता से ले रही है। उक्त बयान स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी किया। सुभाष चंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जनवरी में ही स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारी करने के निर्देश सभी अधिकारियों और मुझे कर दिए थे। उन्होंने 1 से 15 जनवरी तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाने का निर्देश भी पूरे प्रदेश में दिया ताकि स्वच्छता सर्वेक्षण में सभी नगर निगम, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं की बेहतर रैंकिंग आ सके। सुभाष चंद्र ने कहा कि मैंने भी मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला अनुसार अधिकारियों, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, रेजिडेंट वेलफेयर एसो. और व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ पिछली रैंकिंग पर चर्चा की।

जिला स्तरीय फेंसिंग प्रतियोगिता में पिंगली की खेल नर्सरी के खिलाड़ियों का दबदबा, जीते सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। प्रतियोगिता में भाग लेते हुए फेंसिंग खिलाड़ी।

खेल नर्सरी पिंगली के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गांव और नर्सरी का नाम पूरे जिले में रोशन किया। प्रतियोगिता के फेंसिंग इवेंट में खिलाडि़यों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल भावना का बेहतरीन प्रदर्शन कर कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में मन्नत, पलक, मनीष, प्रिंस और आर्यन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि सूरज, ईशांत, रितिक और खुशी ने बेहतरीन खेल दिखाकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस उपलब्धि पर गांव में खुशी का माहौल है और ग्रामीणों ने खिलाडि़यों और कोच का जोरदार स्वागत किया। गांव के सरपंच ने इस सफलता पर कोच पवन कुमार और खिलाडि़यों को बधाई देते हुए कहा कि पिंगली के बच्चों ने साबित किया है कि अगर सही मार्गदर्शन और मेहनत मिले तो गांव के खिलाड़ी भी बड़े स्तर पर चमक सकते हैं। कोच पवन कुमार ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं करते, बल्कि बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना भी पैदा करते हैं। खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेलों से बच्चों को नई दिशा मिलती है और वे नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहते हैं। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को खेलों में आगे बढऩे के लिए प्रेरित करें और उनके प्रशिक्षण में पूरा सहयोग दें। गांव के लोगों का कहना है कि पिंगली की खेल नर्सरी ने लगातार अच्छे खिलाड़ी तैयार कर गांव का नाम रोशन किया है।

खबर संक्षेप

राखी बनाने में निधि प्रथम

पानीपत। पानीपत के गांव जलालपुर प्रथम स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें से प्रथम निधि, द्वितीय प्रिया शर्मा, तृतीय दीक्षा रही। विजेताओं सहित कुल पंद्रह पुरस्कार बच्चों के मनोबल एवं उनकी रचनात्मक प्रवृति को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्राचार्य विनोद कुमार, सोनू, नीलम, सविता, मोनिका, पायल, तनु, दीक्षा, नैंसी, इकरा, आयशा, वंशिका , जोया, निधि, काफी, माफी, वंशिका भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने ताइक्वांडो में मेडल जीते

पानीपत। पानीपत के मॉडल टाउन स्थित मिंटेज स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सहाना, निर्वी, ऋशान, कुंश, प्रांशी, मनवीर, अबीर, कियान, मयेल, अव्यान, अनाया ने स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीते। प्रधानाचार्या मनीषा खन्ना खुराना ने विजेताओं को बधाई व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

तिरंगा यात्रा को लेकर बैठक हुई

पानीपत। पानीपत में भाजपा के सभी मंडलों में आयोजित होने वाली तिरंगा यात्राओं को लेकर एसडी पीजी कॉलेज में तिरंगा यात्रा के प्रदेश सहसंयोजक आदित्य बत्रा ने बैठक की। बैठक में तिरंगा यात्रा के पानीपत जिला संयोजक, सहसंयोजक, पार्षद, पदाधिकारी, विधानसभा संयोजक व सहसंयोजक, मंडल पालक, मंडल प्रभारी मंडल, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मंडल संयोजक व सह संयोजकों के साथ बैठक की। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट के साथ पार्टी के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

दस अगस्त को हैंडलूम दिवस मनाया जाएगा

पानीपत। ऑल इंडिया हैंडलूम एल्यूमीनि एसोसिशन द्वारा 10 अगस्त को हैंडलूम दिवस मनाया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश के शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा। अति विशिष्ट अतिथि मेयर कोमल सैनी होंगे। यह जानकारी देते हुए एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी ओपी रनोनिया ने बताया कि इस समारोह में 50 से अधिक बुनकरों को सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को सेक्टर 29 स्थित शगुन गार्डन में दोपहर दो बजे होगा। उन्होंने हैंडलूम उद्योग से जुड़े उद्यमियों, व्यापारियों व कर्मचारियों से अपील की कि वह समारोह में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

घर से गहने व नगदी चोरी, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के नूरवाला क्षेत्र की गीता कालोनी निवासी सफाई कर्मचारी कुलदीप के घर से चोरों ने नकदी व जेवर चोरी कर लिए। स्मरणीय है कि कुलदीप का मां का निधन हो गया था और वह अपनी मां की रस्म क्रिया में भाग लेने के लिए अपन पैतृक गांव जौंधन कलां गया था। वहीं चोरों ने कुलदीप के घर से 50 हजार की नगदी व सोने से बन जेवर चोरी कर लिए। इधर, पुलिस ने कुलदीप की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार व नगदी भेंट की

धूमधाम से मनाया गया रक्षा बंधन पर्व बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधी

दिन भर सड़कों पर रक्षा बंधन पर्व के चलते बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में रक्षा बंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया। वहीं बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधी। जबकि भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार व नगदी भेंट की। दूसरी ओर, दिन भर सड़कों पर रक्षा बंधन पर्व के चलते बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन हुआ। रोडवेज की बसों में ट्रेनों व प्राइवेट वाहनों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने यात्रा की।

जेल में मनाया रक्षा बंधन पर्व

पानीपत जिला कारागार में रक्षाबंधन का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। कारागार में बंद कैदियों को उनकी बहनों ने कड़ी सुरक्षा के बीच राखी बांधी। वहीं, बहनों ने अपन भाइयों को राखी बांधी, तिलक लगाया व मिठाई खिलाई। जबकि मिठाई और तिलक का प्रबंध भी जिला जेल प्रशासन द्वारा ही करवाया गया। इधर, पानीपत जिला कारागार के अधीक्षक ने बताया कि कारागार राज्य महानिदेशक के आदेशानुसार हर वर्ष की भांति अबकी बार भी कैदियों की बहनों को जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने की अनुमति दी गई थी। जबकि रक्षाबंधन के पर्व पर 300 के करीब कैदियों की मुलाकात नहीं हो रही उनकी कलाई पर ब्रह्मकुमारी बहनों ने राखी बांध कर उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं, पर्व पर सभी को पकवान परोसे गए।

पानीपत। भाई को राखी बांधती हुई बहनें।

पानीपत। बडे भाई को राखी बांधती हुई छोटी बहन। *फोटो : हरिभूमि*

बसों में दिखी भीड़

भाइयों को राखी बांधने के लिए बहनें सुबह से अपनी ससुराल के मायके के लिए रवाना होना शुरू हो गई थी। हालांकि कुछ जगहों पर बहनों का मायके पहुंचना देर सांय तक जारी रहा। बसों में महिलाओं की भीड़ कुछ ज्यादा ही रही। हालांकि सरकार द्वारा बसों में यात्रा फ्री करने के चलते भी भीड़ रही। यही नहीं लोग अपने नीजि वाहनों से भी सफर कर रहे थे। जिसके चलते सभी सडक़ों पर आज सामान्य से अधिक भीड़ थी।

जरूरतमंद परिवारों के साथ मनाया रक्षा बंधन

राजस्थानी परिवार सेवा समिति द्वारा रक्षाबंधन पर सेक्टर 25 व 29 के औद्योगिक क्षेत्र की झोपडियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के साथ मिलकर रक्षा बंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों को राखी बांधी, मिठाइयां खिलाईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समिति के प्रधान नरेश आचार्य, राजेंद्र खुराना, कैलाश शर्मा, तिलक सपड़ा, सुमेर सिंह, लक्ष्मण सैनी, सुशील गोयल, मुकेश शर्मा व संजीव मनचंदा आदि मौजूद रहे।

सड़कों व बाजारों में भीड़ रही

रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर बाजार में राखी और मिठाई की दुकानों पर भारी भीड़ रही। भाइयों को राखी बांधने के लिए बहनें बसों और अन्य वाहनों से सुबह से ही निकल पड़ी। हालांकि बाजार में बीते कुछ सप्ताह से बाजार की रौनक गायब थी लेकिन रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर एक बार फिर से बाजार में रौनक देखी गई। इससे दुकानदारों में भी बिक्री को लेकर उमंग है। रक्षाबंधन पर्व को लेकर पिछले तीन दिन से ही बाजार गुलजार हैं। एक तरफ बहनें जहां भाइयों को राखी बांधने के लिए राखियां खरीद रही थी तो वहीं भाई भी अपने बहनों को रक्षाबंधन गिफ्ट को लेकर दुकानों में खरीदारी करते दिखे।

पुलिस लाइन में मनाया रक्षा बंधन

रक्षाबंधन के त्यौहार की दृष्टि गत साइन स्थानीय पुलिस लाइन में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया। वहीं, मेयर कोमल सैनी ने पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों को राखी बांधी। उन्होंने कहा कि पुलिस बहन बेटियों व समाज की रक्षा करती है ये वास्तव मे ही रक्षक होती है। रक्षक भी तभी रक्षा कर पाता है जब वह स्वयं सुरक्षित, रक्षित, एवं स्वस्थ हो। उन्होंने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य, लम्बी आयु की भगवान से प्रार्थना की। इस अवसर पर भाजपा नेत्रियां सुनीता गोयल, अनीता चावला, भावना जैन, डा हेमा रमन आदि नें भी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को राखी बांधी।

छात्राओं ने बांधी राखी

पानीपत के सौदापुर स्थित आरएस पब्लिक स्कूल में राखी का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। स्कूल चेयरमैन वीरेन्द्र सैनी को सभी स्टाफ मेम्बरस एवं बच्चों ने रक्षा सूत्र बांधकर उनके प्रति सम्मान दर्शाया। वहीं वीरेन्द्र सैनी ने भी स्टाफ को नकदी एवं मिठाई बांटकर अपना स्नेह जताया। प्रधानाचार्या ललिता शर्मा ने बच्चों को त्यौहारों के महत्व की जानकारी दी।

पानीपत। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए भाजपा के व्योवृद्ध नेता चौधरी नीतिसेन भाटिया। *फोटो : हरिभूमि*

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर वृद्धों को सम्मानित किया

- बारह लाख निर्दोष देश भक्त नागरिकों की हत्या की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

एसडी कॉलेज के सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने की। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर मुख्य व्यक्ता के रूप में मौजूद रहे। हरियाणा के भाजपा के वयोवृद्ध नेता चौधरी नीतिसेन भाटिया, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, भाजपा जिला प्रभारी अशोक गुर्जर, पूर्व सांसद संजय भाटिया, विधायक प्रमोद विज, मेयर कोमल सैनी, गजेंद्र सलूजा, पूर्व मेयर अवनीत कौर और भाजपा नेता हरपाल ढाडा, ललित बत्रा विशेष वक्ता के रूप में मौजूद रहे तथा महंत लोकेश सम्मानित वक्ता रहे। नगर पार्षद तरुण गांधी ने मंच संचालन किया। जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम के साथ हुआ। विधायक प्रमोद विज ने इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी और 14 अगस्त को फरीदाबाद में आयोजित प्रदेश स्तरीय विभाजन विभीषिका का स्मृति दिवस समारोह में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

वहीं, विभाजन विभीषिका कार्यक्रम में ऐसे 75 वर्ष के व्यक्तियों तथा उनके परिवार के लगभग 200 सदस्यों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने देश के बंटवारे का दंश झेला है। दूसरी ओर, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा की जो समाज अपने अतीत को याद नहीं रखता और अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य की योजना नहीं बनाता वह समाज तरक्की नहीं कर सकता। सन 1947 में विभाजन के समय जैसा नरसंहार हुआ। जिसमें लगभग बारह लाख निर्दोष देश भक्त नागरिकों की हत्या की गई और इतने ही नागरिकों को पीड़ा पहुंचाई गई है। विश्व के राजनैतिक इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण तलाशने से भी नहीं मिलेगा। नरसंहार के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना की कुर्सी प्राप्त करने की लालसा के कारण ही हुआ। विधायक प्रमोद विज ने कहा की राष्ट्रवादी देश भक्तों की कभी हार नहीं होती जिनका कोई नहीं होता उनकी मदद भगवान ख़ुद आकर करते है।

संतोष शर्मा का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

श्री पलन्हार ट्रस्ट एवं हरियाणा ब्राह्मण महासंघ की ओर से वर्ल्ड पुलिस गेम्स 2025 में 76 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर देश और हरियाणा का नाम रोशन करने वाली देश की पहली महिला पुलिस पहलवान संतोष शर्मा का सम्मान किया गया। एडवोकेट सुरभि शर्मा ने कहा कि संतोष शर्मा 2017 से लगातार वर्ल्ड पुलिस गेम्स में पदक विजेता रही हैं। जिसमें उन्होंने 2017 में यूएसए में गोल्ड, 2019 चीन में कांस्य, 2021 नीदरलैंड में गोल्ड, 2023 कनाडा में गोल्ड व सिल्वर, 2025 यूएसए में दो बार गोल्ड जीतकर देश, प्रदेश, पुलिस विभाग के साथ-साथ समाज का भी नाम रोशन करने का काम किया है। ऐसी मेहनती महिला पर समाज को गर्व है। सुरभि शर्मा ने सरकार से अपील की कि ऐसे खिलाड़ियों को नकद राशि व सम्मानित पद प्रदान कर उनके उत्साह को और बढ़ाया जाए। इस अवसर पर दिनेश खुराना, रोहित गौतम, जेपी शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, हर्ष शर्मा, सुधीर शर्मा, सतीश वत्स, मीनाक्षी भारद्वाज, सुरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

पानीपत। वर्ल्ड पुलिस गेम्स में विजेता संतोष शर्मा को सम्मानित करते हुए सुरभि शर्मा, आदि। *फोटो : हरिभूमि*

पंचायत मंत्री ने ब्रह्मकुमारी बहनों से बंधवाई राखी

- त्यौहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक ही नहीं बल्कि आत्मा की सुरक्षा का भी उत्सव है

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन, भू-विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को जिले के थिराना गांव में स्थित ब्रह्मकुमारी सेवा केंद्र में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मकुमारी बहनों से अपनी कलाई पर राखी बंधवाकर रक्षाबंधन के त्यौहार की प्रदेशवासियों को बधाई भी दी। वहीं, मंत्री पंवार ने कहा कि यह त्यौहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक ही नहीं बल्कि आत्मा की सुरक्षा का भी उत्सव है। यह त्यौहार सिर्फ रिश्तों से ही नहीं बल्कि आत्मा से भी जुड़ा हुआ होता है। पंवार ने कहा कि वह ब्रह्मकुमारी आश्रम में लगातार तीन दशकों से इस त्यौहार पर आ रहे हैं। इसी कड़ी में आज बीते वर्षों की भांति 32वें वर्ष भी ब्रह्मकुमारी आश्रम में बहनों से राखी का धागा बंधवाने आया हूं। पंवार ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्थान आज न केवल भारत के कोने-कोने में, बल्कि विश्व के 120 से अधिक देशों में मानवता का कल्याण कर अलख जगा रहा है। इस संस्थान में समय-समय पर आना मेरे लिए एक परंपरा ही नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक कर्तव्य बन चुका है।

उन्होंने कहा कि जब ये ब्रह्मकुमारी बहनें मुझे राखी बांधती हैं, तो यह धागा मुझे नई दिव्य ऊर्जा और ईश्वरीय आशीर्वाद भी देता है।

पानीपत। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार को राखी बांधती हुई बीके बहनें। *फोटो : हरिभूमि*

डीएवी स्कूल की छात्राओं ने मंत्रियों को राखी बांधी

- छात्राओं ने प्रधानाचार्या सुमिता अरोड़ा धन्यवाद किया

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने रक्षाबंधन के अवसर पर संसद भवन जाकर गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ राखी बांधकर प्रेम का संदेश देते हुए दयानंद एंग्लो वैदिक संस्था के नाम को सार्थक किया। उन्होंने मंत्रियों व सांसदों गजेंद्र सिंह शेखावत, अनुराग सिंह ठाकुर, निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, बीएल वर्मा, डॉ.दिनेश शर्मा, संजीव बालियान, प्रदीप सांगवान, राजीव प्रताप रूडी, इमरान मसूद, संजय सिंह आदि सांसदों को राखी बांधी। इसके लिए सभी छात्राओं ने स्कूल की प्रधानाचार्या सुमिता अरोड़ा धन्यवाद किया।

तेज वर्षा से जलभराव, जनजीवन प्रभावित

इसराना। हाईवे पर बारिश से हुए जलभराव में फंसी कार को निकालते हुए नागरिक।

- बारिश ने पंचायत से लेकर प्रशासन की सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी

हरिभूमि न्यूज ⏭इसराना

भाई बहनों के पवित्र बंधन का त्यौहार रक्षाबंधन पर पांच घंटे बारिश से चारों ओर पानी पानी हो गया। पर यह बारिश भाईयों की कलाई पर राखी बांधने जाने वाली उनकी बहनों के कदमों को रोक नहीं पाई। इसराना में बारिश ने पंचायत से लेकर प्रशासन की सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। बारिश से चारों ओर जल-भराव देखा गया। बारिश से इसराना के गुरुद्वारा संत भवन, लक्ष्मी नगर कालोनी, नेशनल हाईवे 709, पानीपत-रोहतक महात्मा गांधी गरीब बस्ती, हेड़ी कालोनी, पूरानी अनाज मंडी, मोती मंडी पूरी तरह से झील बन गई। जहां बारिश से गर्मी ओर उमस से राहत मिलती वहीं आमजन के लिए आफत बन गई। इसराना में सफाई व्यवस्था को लेकर बार-बार जनसंवाद कार्यक्रम से लेकर समस्या समाधान शिविर में पूर्व एसडीओ ज्योति मित्तल से लेकर एसडीएम नवदीप नैन को शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं हो पाया है उल्टा हालात बद से बहतर होते जा रहे हैं।

हरियाणा में शिक्षा स्तर में तेजी से हो रहा है सुधार

- प्रदेश का युवा आज बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरी पा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत शहरी से विधायक प्रमोद विज ने गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश में शिक्षा का स्तर काफी अच्छा रहा है। विधायक विज ने लालबत्ती चौक स्थित स्कूल में अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाकर पौधारोपण भी किया। वहीं, कार्यक्रम में पानीपत के भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्षदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र कंसल ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विधायक प्रमोद विज के कार्यों की सराहना की। साथ ही मॉडल संस्कृति स्कूल में बने नए भवन के लिए उनका धन्यवाद किया। इधर, मेयर कोमल सैनी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। पार्षद अनिल मदान ने नए भवन के निर्माण के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया। विज ने कहा कि भाजपा शासनकाल में शिक्षा का स्तर काफी अच्छा रहा है। प्रदेश का युवा आज बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरी पा रहा है। स्कूल के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करवाने का भरोसा भी दिलाया। स्कूल की प्राचार्य प्रतिमा शर्मा ने भी विधायक प्रमोद विज का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जिला भाजपा उपाध्यक्ष नवीन भाटिया, जिला सचिव भावना जैन, हिमांशु कटारिया, अशोक कटारिया, प्राण रतनाकर आदि उपस्थित रहे।

एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अनुपम को राखी बांधी

पानीपत। एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा को राखी बांधते हुई बीके बहनें।

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

एसडी कॉलेज में रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके सुनीता बहन ने सभी शिक्षकगणों एवं प्रिंसिपल डा.अनुपम अरोड़ा को राखी बाधते हुए राखी का आध्यात्मिक रहस्य सुनाया।

उन्होंने बताया कि रक्षा सूत्र केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं है बल्कि यह आत्मा को परमात्मा से पवित्रता, प्रेम और सुरक्षा के अटूट बंधन में जोडऩे का प्रतीक है। हमें रक्षा सूत्र बंधवाने पर एक बुराई को त्यागने का व किसी को दुखी नहीं होने देने का संकल्प लेना चाहिए। वहीं प्राचार्य डा.अनुपम अरोड़ा ने बीके बहन को उन्हें व स्टाफ का राखी बांधने पर धन्यवाद किया।

यामिन ताइक्वांडो इंडिया स्पोर्ट्स अकादमी, समालखा में आयोजित

ताइक्वांडो के लिए चार खिलाड़ियों का चयन

समालखा। हीरोज अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए चयनित खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

- चयनित खिलाड़ियों में साहिल, अजय, भूपेंद्र और प्रभनूर सिंह मुल्तानी के नाम शामिल है

यामिन ताइक्वांडो इंडिया स्पोर्ट्स अकादमी, समालखा में आयोजित चयन परीक्षण में चार खिलाड़ियों का चयन बैंकॉक, थाईलैंड में होने वाली हीरोज अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ियों में साहिल, अजय, भूपेंद्र और प्रभनूर सिंह मुल्तानी के नाम शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी ताइक्वांडो की प्रतिस्पर्धाओं पावर पंच, पावर किक और बोर्ड तोड़ तकनीक में भाग लेंगे। यह सभी ताइक्वांडो की तकनीकी विधाएं हैं, जिनमें खिलाड़ी अपनी शक्ति और गति के साथ संतुलन का प्रदर्शन करते हैं। खिलाड़ी अपनी पावर पंच और किक की तकनीक को प्रतियोगिता के दौरान प्रदर्शन करेंगे। वहीं, अकादमी के अंतरराष्ट्रीय कोच यामीन ने बताया कि इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और उन्हें वैश्विक स्तर पर नई तकनीकों को सीखने का अवसर मिलता है। इस चयन अवसर पर मनमीत सिंह, किरण, दीपिका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। चयन प्रक्रिया यामिन चयन समिति द्वारा संचालित की गई, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कोच जतिन, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तथा कोच टीएल राव एवं यामिन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

24 वाहन चालकों के चालान काटे

अंबाला। ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रात्रि के समय ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क पर नशे में वाहन चलाने वालों के ऊपर कड़ा शिकंजा कसना है। अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते हैं। इस दौरान 24 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस ने इस दौरान लगभग 206 वाहन को चेक किया।

नर्सिंग कॉलेज को मिली मान्यता

अंबाला। अंबाला छावनी के जीएमएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग को इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा मान्यता दे दी गइ है। यह उपलब्धि कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो नर्सिंग शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कॉलेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष डॉ गुरदेव सिंह, जनरल सेक्रेटरी अजय अग्रवाल , फाइनेंशियल सेक्रेटरी आलोक गुप्ता , चेयरमैन जीएमएन ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसाइटी, जसवंत जैन व अन्य पदाधिकारियों ने कॉलेज की इस उपलब्धि पर सभी छात्रों, स्टाफ क्रो बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 को

अंबाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रवीन ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायलय और सब डिविजन नारायणगढ़ की अदालतों में 13 सितंबर 2025 को किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थायी लोक अदालत व उपभोक्ता अदालत में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 11 सितंबर को किया जाएगा। उन्होने जन साधारण से अपील की कि वे अदालत में बिजली, पानी इत्यादि संबधित लंबित मुकदमें व प्री लिटिगेशन स्टेज पर इस लोक अदालत मे रख कर उनका निपटारा करवा सकते हैं।

बैग से मिले गांजा की होगी जांच

अंबाला। आरपीएफ द्वारा लगभग एक माह पहले जब्त किए गए लावारिस बैग से गांजा बरामद हुआ। यह खुलासा उस समय हुआ जब जीआरपी टीम जांच के लिए पहुंची। जीआरपी ने बैग कब्जे में लेकर कालका थाने में अपजान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि इतने दिन तक बैग यूं ही बंद पड़ा रहा और इसे न तो कालका स्टेशन पर तैनात आरपीएफ प्रभारी ने चेक किया और न ही किसी अन्य कर्मचारी ने। अब इस लापरवाही की जांच पड़ताल के लिए भी आरपीएफ के सह आयुक्त को जिम्मेदारी सौंपी गई है जोकि तथ्यों के आधार पर आगामी कुछ दिन में अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

स्कूटी सवार व्यक्ति का मोबाइल लेकर फरार

कैथल। अनाज मंडी चीका के निकट से स्कूटी सवार दो युवा एक व्यक्ति का फोन छीनकर फरार हो गए। काकोत के शीशपाल ने चीका पुलिस को शिकायत दी है।

कई बुजुर्ग महिलाओं ने पूर्व मंत्री को राखी बांधकर दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया

रक्षाबंधन पर उमड़ा बहनों का स्नेहसागर, पूर्व मंत्री असीम गोयल की कलाई पर बांधी हजारों राखियां

अंबाला। पूरे दिन पूर्व मंत्री के आवास पर बहनों का लगा रहा तांता, हर साल की तरह भारी संख्या में बहनें असीम गोयल को बांधने पहुंची राखी

■ सभी बहनों और बेटियों को पूर्व मंत्री ने उपहार भेंट किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अंबाला शहर के पंचायत भवन में शनिवार को एक शानदार दृश्य देखने को मिला। सुबह से ही यहां बहनों और बेटियों का हुजूम उमड़ पड़ा। ये पूर्व मंत्री असीम गोयल को राखी बांधने और उन्हें अपना आशीर्वाद देने के लिए पहुंची थी। सुबह से ही पंचायत भवन के मुख्य द्वार पर महिलाओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। हजारों की संख्या में पहुंचीं इन बहनों के हाथों में रंग-बिरंगी राखियां और मिठाइयों की खुशबू पूरे परिसर में एक उत्सवी माहौल बना रही थी। पंचायत भवन के हॉल से लेकर बरामदे और बाहर तक बहनों की भीड़ रही। जगह-जगह फोटो खिंचवाने का सिलसिला चलता रहा। कई बुजुर्ग माताओं ने भी गोयल को राखी बांधकर दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया। युवतियों और बच्चों में भी उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान बहनों ने एक-एक कर असीम गोयल की कलाई पर राखी बांधी।

राखी बांधने आई सभी बहनों और बेटियों को पूर्व मंत्री असीम गोयल ने स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किए। यह केवल एक रस्म नहीं बल्कि बहनों के प्रति सम्मान और अपनत्व का प्रतीक था। कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं के चेहरों पर खुशी और अपनेपन का अहसास साफ झलक रहा था। गोयल को राखी बांधने आई महिलाओं ने उनके सिर पर हाथ रखकर अपना आशीर्वाद भी दिया।

विश्वास और रिश्तों का पर्वः गोयल

असीम गोयल ने इस मौके पर कहा, /"मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि हजारों बहनों ने अपना आशीर्वाद देने और रक्षासूत्र बांधने के लिए यहां उपस्थिति दर्ज कराई। यह केवल धागा नही बल्कि विश्वास, अपनत्व और सुरक्षा का वचन है, जिसे मैं जीवन भर निभाऊंगा।/" उन्होंने कहा कि उनकी कलाई पर बंधी हर राखी एक जिम्मेदारी की तरह है, जो उन्हें बहनों के सम्मान और सुरक्षा के लिए और अधिक समर्पित बनाती है।

अंबाला। कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज स्टाफ व स्टूडेंट्स। फोटो :हरिभूमि

भाई-बहन को स्नेह की अटूट डोर में बांधता है रक्षाबंधन पर्व

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण संस्थान में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय में बीएड के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन का पर्व बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में कॉलेज के अध्यक्ष राजकुमार सांगवान व रमेश सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन प्राध्यापिका प्रीति ने किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रेणु सहोता ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व, ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन को स्नेह और विश्वास की अटूट डोर में बांधता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस पर्व से जुड़ी सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अध्यक्ष राजकुमार सांगवान ने कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों और स्टाफ को यह पर्व आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे और मिलकर इस पारंपरिक त्योहार को उल्लासपूर्वक मनाया।

संस्कृति के श्लोक और मंत्रों का उच्चारण हमारे मन-मस्तिष्क को देता है उर्जा व शांति

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत श्लोक उच्चारण एवं मंत्रोच्चारण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने भावपूर्ण एवं स्पष्ट उच्चारण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य हरिंद्र सिंह लांबा के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा न केवल भारत की सांस्कृतिक आत्मा है, बल्कि यह वैज्ञानिकता, तार्किकता और आध्यात्मिक ज्ञान की समृद्ध धरोहर भी है। श्लोक और मंत्रों का उच्चारण हमारे मन-मस्तिष्क को शांति, संतुलन और ऊर्जा प्रदान करता है। छात्रों द्वारा किया गया यह प्रयास प्रशंसनीय है जो उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है। इसके पश्चात विद्यालय के संस्कृत शिक्षक डॉ. गौरव शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं बल्कि एक जीवन पद्धति है। शुद्ध उच्चारण, सही भाव और आध्यात्मिक अनुशासन से जब श्लोकों का पाठ किया जाता है।

लिपिक की बहाली को लेकर सड़कों पर उतरेंगे बिजली कर्मी

■ चार सप्ताह बाद भी कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन का निगम पर नहीं हो रहा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जिले की सभी छह बिजली सब यूनिटों पर लिपिक गुरविंदर के निलंबन में धरना-प्रदर्शन जारी है। सब डिविजन नंबर 2 के धरने प्रदर्शन पर विशेष रूप से सर्कल सचिव अंबाला राज कुमार, यूनिट प्रधान सतबीर देसवाल, यूनिट सचिव सोनू यादव शामिल हुए। सर्कल सचिव राज कुमार ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अंबाला कैंट यूनिट के विरोध प्रदर्शन को आज 4 हफ्ते पूरे हो गए हैं। इस दौरान यूनियन के पदाधिकारी लिपिक गुरविंदर की बहाली के लिए धरना प्रदर्शन सभी कार्यालयों में करा रहे है, इसके साथ-साथ वे निगम अधिकारियों के भी संपर्क में है और अपनी जायज मांग को बिजली मंत्री अनिल विज के सामने भी रख चुके हैं लेकिन एक छोटे तबके के कर्मचारी जिसका परिवार का पालन पोषण इस नौकरी के माध्यम ही चल रहा है, उसको अभी तक न्याय नहीं मिला। उसको निगम द्वारा चार्जशीट भी कर दिया है लेकिन अभी तक लंबित जांच के आधार पर बहाल नहीं किया गया है। ये सारे तर्क रखने के बावजूद भी लिपिक बहाली के लिए न तो निगम अधिकारी गंभीर है और न ही मंत्री की तरफ से कोई ठोस आश्वासन लिपिक की बहाली के लिए मिला है। उनका गृह क्षेत्र होने के कारण यूनियन उनसे लगातार अपील कर रही है कि लिपिक गुरविंदर के साथ अन्याय न हो और साथी को तुरंत बहाल किया जाए। यूनिट प्रधान सतबीर देसवाल ने कहा कि कर्मचारियों के लिए इस समय बहुत विकट परिस्थिति आ गई है। यूनियन प्रदर्शन के आगामी पड़ाव में जाएगी। अगले हफ्ते में कर्मचारी अपनी व्यथा को सुनाने के लिए सड़कों पर उतरेंगे और जुलूस निकालकर प्रदर्शन करेंगे।

दिनदहाड़े ज्वेलर से लूट की कोशिश ज्वेलर ने आरोपी को काबू किया

अंबाला। अंबाला छावनी के सर्राफा बाजार स्थित जाह्नवी ज्वेलर्स के मालिक संजय वर्मा की दुकान पर लूट की कोशिश हुई है। दुकान में घुसे एक युवक ने पहले संजय वर्मा की आंखों में मिर्ची डाली और फिर तेजधार हथियार से उनके सिर पर कई वार किए। घायल होने के बावजूद उन्होंने हमला करने वाले युवक का गिरेबान नहीं छोड़ा और उसके साथ भिड़ गए। इस दौरान आरोपी युवक ने खुद को छुड़वाने का भरसक प्रयास किया लेकिन संजय वर्मा ने उसके धकेलते हुए दुकान से बाहर कर दिया और शोर मचाकर आसपास के दुकानदारों को इक्ट्ठा कर लिया। दुकानदार तुरंत मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़ लिया। मामले की सूचना मिलते ही कैंट थाने के प्रभारी अजैब सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल दुकानदार से जानकारी हासिल की। इसके बाद युवक को कब्जे में ले जाकर थाने लाया गया और संजय वर्मा के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने मामला दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैथल। डा. एमएस शाह को राखी बांधती आरकेएसडी पब्लिक स्कूल की छात्रा।

छात्रों ने बांधे रक्षा सूत्र

कैथल। आरकेएसडी स्कूल में नन्हे-मुन्नों व छात्र-छात्राओं द्वारा शहर के विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं में जाकर रक्षा बंधन का पावन और पवित्र त्योहार मनाया गया। स्कूल के छात्र-छात्राएं कई संस्थाओं जैसे— शाह सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, फायर ब्रिगेड ऑफिस, पीडब्ल्यूडी ऑफिस, पुलिस थाना आदि में गए और वहाँ डॉक्टर शाह, एसपी आस्था मोदी, पीडब्ल्यूडी एक्सियन श्री वरूण कंसल ट्रैफिक अधिकारी नरेश कुमार व फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को राखी के उपलक्ष में रक्षा सूत्र बांधे। स्कूल की प्रधानाचार्या निवेदिता भट्ट ने बताया कि राखी का त्योहार भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। त्योहार भाई पर बहन की रक्षा के दायित्व का प्रतीक है और बहनों द्वारा अपने भाइयों की लंबी आयु की मनोकामना का है।

200 मीटर में सुर्यांश ने मारी बाजी

■ खेल प्रतियोगिता में विवेकानंद विद्या निकेतन के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाल ही में आयोजित ब्लॉक स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में विवेकानंद विद्या निकेतन के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए और विद्यालय का नाम रोशन किया। शतरंज अंडर 11 में सान्वी, सेल्वी, दिया, रक्षिता और कायना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अथलेटिक्स अंडर 11 में 100 मीटर दौड़ में सुर्यांश ने प्रथम तथा रोमित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में सुर्यांश प्रथम रहे। 400 मीटर में रोमित ने तृतीय स्थान हासिल किया। एथलेटिक्स अंडर 14 में हाई जम्प में ईशांत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 80 मीटर हर्डल रेस में ईशांत ने द्वितीय तथा रुद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रहे खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

उचाना। प्रतियोगिता में रस्सा-कस्सी में दमखम दिखाते खिलाड़ी।

खंडस्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

उचाना। गांव खरकभूरा के खेल परिसर में खंडस्तरीय प्राइमरी अंडर 11 का शुभारंभ प्रिंसिपल करसिंधु जियालाल द्वारा किया गया। लड़कियों की 800 मीटर दौड़ को रही झंडी दिखा कर प्रतियोगिता की शुरूआत की। सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। 500 के करीब खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता ने हिस्सा लिया। जियालाल ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार खिलाड़ियों के लिए हर प्रकार की सुविधा प्रदान करती है। शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को खेलों में बढ़ावा देने के लिए खंड स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। प्रतिभाओं की कमी नहीं है। खंड स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से प्रतिभाओं को आगे आने के अवसर मिलते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को रूचि लेनी चाहिए।

श्रावणी पर्व पर किया तर्पण

राजौंद। श्रावणी पर्व मनुष्य को देव, ऋषि व पितृ दोष से मुक्ति दिलाता है तथा दोष निवारण के लिए तर्पण अनुष्ठान में शामिल होने मात्र से मनुष्य दोष मुक्त हो जाता हैं। आचार्य पंडित राम भगत हरित ने नगर के जींद रोड पर स्थित नहर के किनारे आयोजित तर्पण कार्यक्रम के दौरान कहे। कार्यक्रम के संयोजक आचार्यों ने बताया कि इस आयोजन को पिछले लगभग 72 वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित कर रहे हैं। तर्पण के उपरांत विधि पूर्वक सप्तऋषि पूजा, यज्ञोपवीत पूजा तथा हवन यज्ञ किया गया, जिसमें सभी ने पूर्ण आहुति डालकर पुण्य कमाया। आचार्यों ने बताया कि यज्ञोपवीत धारण करने वाले व्यक्ति को यज्ञ में आहुति धर्म-कर्म अनुष्ठान करने का अधिकार प्राप्त होता है। यज्ञोपवीत धारण करने से गायत्री की दीक्षा मिलती है तथा गायत्री जप का फल प्राप्त होता है। श्रावणी कर्म इंसान के मन, वचन, काया से किए पाप कर्मों का प्रायश्चित माना गया है। आचार्य राम भगत हरितस, राजेंद्र शर्मा, सोनू दीक्षित, सतबीर शास्त्री, संजीव हरित, जयदेव कौशल, रमेश कुमार, सतीश कौशल, अमित करोड़ा, धर्मवीर आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

जस्टिस हरिपाल वर्मा ने जेल का किया मुआयना, बंदियों को मिल रही सुविधाओं का किया अवलोकन

अंबाला सेंट्रल जेल की बेकरी में खाने की चीजों का टेस्ट लाजबाव, लोकायुक्त ने खरीदी दो टोकरियां

लाइब्रेरी व छोटे बच्चों के लिए बनाए गए क्रेच की व्यवस्था को भी जांचा

हरिभूमि न्यूज.अंबाला

लोकायुक्त जस्टिस हरिपाल वर्मा ने शनिवार को केंद्रीय कारागार का दौरा किया। यहां उन्होंने बंदियों को जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। इससे पहले यहां पहुंचने पर जेल अधीक्षक सतविंद्र गोदारा ने जस्टिस हरिपाल वर्मा को पुष्पगुच्छ देकर अभिनन्दन किया।

लोकायुक्त ने केंद्रीय कारागार का अवलोकन करने से पहले जेल अधीक्षक से बंदियों की संख्या से लेकर उनको मिल रही सुविधाओं की पूरी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले महिला वार्ड में जाकर महिला बंदियों से बातचीत की। उन्हें जेल प्रशासन द्वारा की ओर से दी जा रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने यहां पर बंदियों के लिए स्थापित लाइब्रेरी व छोटे बच्चों के लिए बनाए गए क्रेच की व्यवस्था को भी जांचा। इन सुविधाओं को उपलब्ध करवाए जाने पर जेल प्रबंधन की प्रशंसा भी की। इसके उपरान्त उन्होनें अन्य बंदियों से भी बातचीत की। उन्हें कानूनी सुविधाओं के साथ-साथ अन्य सुविधाओं के बारे में भी पूछा। लोकायुक्त ने बंदियों के लिए बनाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए रसोई घर का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने भोजन की गुणवत्ता के बारे भी जानकारी ली। जेल अधीक्षक ने लोकायुक्त को बताया कि जेल प्रशासन द्वारा नियमानुसार बंदियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य किए जाते हैं। बंदियों को कानूनी सुविधा मुहैया करवाने के दृष्टिगत यहां पर डीएलएसए द्वारा सुविधा उपलब्ध करवाई गई हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश के साथ-साथ अन्य न्यायधीश भी समय समय पर यहां का जायजा लेते हैं।

अंबाला सेंट्रल जेल की बेकरी यूनिट का मुआयना करते लोकायुक्त।

सभी को रक्षा बंधन पर्व की शुभकामनाएं दी

जेल अधीक्षक ने उन्हें बताया कि मैन्यू के अनुसार बदल-बदल कर यहां पर बंदियो के लिए भोजन बनाया जाता है। साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य सभी व्यवस्थाएं यहां पर उपलब्ध हैं। इसके बाद उन्होंने बेकरी यूनिट का भी निरीक्षण किया। यहां पर बंदियों द्वारा जो उत्पाद तैयार किए गए थे, उसकी जमकर सराहना की। यहां तैयार किए गए खाद्य पदार्थों की दो टोकरियां खरीदकर उनका उत्साह वर्धन भी किया। इसके बाद उन्होंने जेल रेडियो ब्लॉक का भी जायजा लिया। यहां पर रक्षा बंधन के पर्व के अवसर पर अपने समक्ष राखी पर्व के गीत भी चलवाए। सभी को रक्षा बंधन पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

आवरण कथा
ओम निश्चल

79वां स्वतंत्रता दिवस
आजादी की फलश्रुति

हम सब देशवासी आगामी 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएंगे। कदम-कदम आगे बढ़ते हुए हमने कई अभूतपूर्व सफलताएं हासिल कीं, नए-नए मुकाम को छुआ। हम निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर भी हैं। लेकिन आज भी देश में कुछ ऐसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनका निवारण किए बिना हम अपना प्राचीन गौरव प्राप्त नहीं कर पाएंगे। इसके लिए देश के हर नागरिक के मन में स्वाधीनता के प्रति सम्मान भाव होना अत्यंत आवश्यक है।

एक-एक कदम हौले-हौले चलते हुए हम सब भारत देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। एक लंबी यात्रा हमने आजादी के बाद तय कर ली है। 1947 से 2025 तक की स्वातंत्र्योत्तर यात्रा में देश ने तमाम क्षेत्रों में बहुत तरक्की की है, कृषि उत्पादन एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की है वरना एक ऐसा दौर था, जब गेहूं भी अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उद्योग धंधों के क्षेत्र में भी लघु उद्योग सेक्टर और मझोले उद्योगों की स्थापना एवं विकास में देश ने मजबूती से कदम रखा है। तकनीकी सामर्थ्य की दिशा में भी देश ने अग्रतर स्थिति हासिल की है। आजादी के बाद बनी पंचवर्षीय योजनाओं के फलस्वरूप हर क्षेत्र में देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े बांध बने, विद्युत परियोजनाएं लगाई गईं, सिंचाई के लिए नहरों का संजाल तैयार किया गया। बड़े-बड़े हाईवेज बने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ ताकि हर व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ मिले। यानी, आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है।

हर वर्ग ने निभाई अपनी भूमिका: आजादी की लड़ाई किसी एक व्यक्ति, मजहब, संस्कृति या समुदाय ने नहीं लड़ी थी। इसमें तैंतीस करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी रही थी। राजनैतिक आजादी तो सन 1947 में ही हमें मिल गई थी। लेकिन आजादी का मिलना तब सार्थक हो सकता है, जब सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हर क्षेत्र में देश तरक्की, करता हुआ दिखे। यों तो इस आजादी को हासिल करने में नेता, पत्रकार, किसान, मजदूर, किशोर, युवा, वृद्ध, स्त्री-पुरुष सबका योगदान रहा। उसके परिणामस्वरूप ही हमें आजाद भारत मिल सका। आजादी के बाद हासिल उपलब्धियों को तो हम सब देखते ही हैं, लेकिन एक लेखक हर क्षेत्र में आजादी की आकांक्षाओं के प्रतिफल को गहराई से महसूस करता है। वह नेता, अभिनेता, चिंतक, समाजशास्त्री एवं अर्थशास्त्री आदि अनेक भूमिकाओं में होता है। वही होता है, जो बिना लाग-लपेट के देश की वाकई तरक्की को अपने मानक पर कसता है, तभी वह दुष्यंत कुमार के शब्दों में यह लिख सकता है-*यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां। हमें मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा।*

दुर्भाग्यवश धीरे-धीरे कलमकार भी अपनी नैतिकता भूलते गए। इसी पर कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपने एक गीत में लिखा है-
तुझ-सा लहरों में बह लेता/ तो मैं भी सत्ता, गह लेता/ ईमान बेचता चलता तो/ मैं भी महलों में रह लेता/ हर दिल पर झुकती चली मगर/ आंसू वाली नमकीन कलम/ मेरा धन है स्वाधीन कलम/ आजादी मिलने का मोह भंग भी हुआ।

धीरे-धीरे लेखक की स्वाधीन चेतना भी सुप्त हो गई, उसकी कलम पूंजीपतियों और इजारेदारों के गुण गाने लगी। यही वजह है कि विभाजन के दंश और आजादी के लिए 1857 से किए गए संघर्ष के बाद और जलियांवाला बाग के नृशंस हत्या कांड के बाद मिली आजादी का फल लूटने में होड़ लग गई। देश बनाने वाले और उसे स्वाधीन कराने वाले तो नेपथ्य में चले गए और स्वार्थी लोग चांदी काटने लगे।

आजादी मिलने के बाद आजादी मिलने का मोहभंग भी उतना ही प्रभावी हुआ और होता गया। यह ऐसा ही दौर था, जब 'मैला आंचल', 'पानी के प्राचीर' और 'राग दरबारी' जैसी रचनाएं लिखी गईं। लिहाजा आजादी मिलने की उपलब्धियों की बंदरबांट होने लगी।

आजादी के शुरुआती दौर में अज्ञेय जैसे कद्दावर लेखक ने भी एक निबंध में लिखा था, 'मिला सब कुछ: सब बेपेंदी का। शिक्षा मिली उसकी नींव, आत्म गौरव नहीं मिला, राष्ट्रीयता मिली, उसकी नींव, अपनी ऐतिहासिक पहचान नहीं मिली, यानी आजादी में जन्मे-पले मुझको- आजादी के आदि पुरुष को चेहरा मिला, व्यक्तित्व नहीं मिला... और बिना व्यक्तित्व के चेहरा क्या होता है? स्पष्ट है कि वह फकत चेहरा होता है। पहन लो, उतार लो, उस पर अलकतरा पोत दो चूना लगा दो... और यही सब तो हम कर रहे हैं... हर कोई कर रहा है।' (कवि मन, पृष्ठ 63) हमारे समय के एक बड़े कवि का यह विश्लेषण कथन है आजादी और उसकी फलश्रुति को लेकर।

क्यों बंटते गए दायरों में हम: यह सोचने की बात है कि जिस जज्बे से आजादी पाने के लिए हर नागरिक संघर्षरत था। सभी धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ग के लोग, यहां तक कि पूंजीपति भी देश की आजादी के लिए तन, मन, धन से लगे थे। सभी में राष्ट्रीय चेतना की अलख जग रही थी। भले आजादी के महासमर में गांधी, सुभाषचंद्र बोस, नेहरू और पटेल जैसे चंद बड़े नायक ही नजर आते हों पर आजादी की लौ जलाने में सभी का बराबर का हाथ रहा है। किंतु क्या हमने कभी सोचा कि इस आजादी का हमने क्या किया? हम मजहबी संकीर्ण दायरों में बंटते गए, हम वर्णों, जातियों, नस्लीय भेदभाव में बंटते गए, हम उत्तर-दक्षिण में बंटते गए। जिस आजादी के लिए सबका खून-पसीना बहा, उस आजादी की हम कीमत वसूलने में लग गए। भारत माता के लिए इससे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है।

वैश्विक शक्ति बनने का सामर्थ्य: इतनी विषमताओं के बावजूद, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' भारत विश्व की कूटनीति के सम्मुख अडिग होकर खड़ा रह पाया है तो यह इसकी सफल विदेश नीति का ही परिचायक है। देखते-देखते देश तरक्की की पायदान पर अग्रसर है। देश तमाम क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हुआ है, जहां सुई तक नहीं बनती थी, आज हम अनेक चीजें, शोधित तेल, खाद्यान्न, वस्त्रादि विदेशों को निर्यात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रभुत्व में सिलीकॉन वैली के भारतीय तकनीकविदों की बड़ी भूमिका है। भारत आजादी के इन अठहत्तर सालों में आज आर्थिक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। सैन्य शस्त्रों और अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में हम निरंतर नए क्षितिज को स्पर्श कर रहे हैं। यही नहीं सदियों पुरानी अपनी संस्कृति व ज्ञान परंपरा के नाते हम विश्वगुरु बनने का भी सामर्थ्य रखते हैं। यह ऋषियों, संतों, महात्माओं की तपोभूमि रही है, यह अपरिग्रह, सदाचार, अहिंसा और सर्वधर्मसमभाव की भूमि है। हमने पूरी विश्व-वसुधा को मानवता के नाते एक समझा है। हमने विश्व के कमजोर मुल्कों का हर मुसीबत में साथ दिया, हर स्तर पर विश्व शांति की पहल और अपीलें की हैं। हमने विश्व स्तर पर रंगभेद का विरोध किया। इसीलिए विश्व में हमारी सबसे अलग प्रतिष्ठा है।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिका: हालांकि अभी हमारे सम्मुख चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। चिंता इस बात की है कि दलीय संकीर्णताएं ज्यादा हावी हैं, जाति, मजहब विचारधारा और सामाजिक स्तर पर लोग बंटे-बंटे से नजर आते हैं। आज आजादी हुए 78 साल हो गए हैं पर हम न भूलें कि अब यह बाहर से दिखने वाली गुलामी का दौर नहीं, यह सूक्ष्म गुलामी का दौर है- हमारी भाषा, हमारी संस्कृति, हमारे सोच पर हमले इतने सूक्ष्म हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। ऐसे सूक्ष्म हमलों के प्रति हमें सावधान रहना है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए हमें आपस में बांटने वाली सोच और अलगाववादी ताकतों से सावधान रहना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां हर नागरिक स्वाभिमान का अनुभव कर सके और उसे यह लगे कि यह देश उसका है, उसके सुख-दुख का साथी और उसके हितों का पहरुआ है। तभी सही मायने में देश का हर नागरिक स्वयं को आजाद, समृद्ध और सुरक्षित महसूस करेगा। इसके लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर भूमिका निभाने के लिए संकल्पित होना होगा। *

सदियों के संघर्ष के बाद आर्थिक रूप से कमजोर देश रहा भारत, आज अगर विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना है तो इसके पीछे हमारा निरंतर संघर्ष और सही दिशा में किया गया प्रयास ही रहा है। कैसे हासिल की हमने यह उपलब्धि, उस पर एक नजर।

हर चुनौती को पार कर
हम बने आर्थिक महाशक्ति

उपलब्धि
लोकमित्र गौतम

ढाई शताब्दियों तक परतंत्र रहने के बाद जब 1947 में भारत आजाद हुआ, तो हमें राजनीतिक आजादी तो मिल गई, लेकिन आर्थिक आजादी अभी भी दूर का सपना था। इस राजनीतिक आजादी के लिए हमने विभाजन की जो विभीषिका झेली थी और ढाई शताब्दियों तक हमारा जिस तरह से औपनिवेशिक शोषण हुआ था, उस सबके कारण कृषि पर आधारित हमारी अर्थव्यवस्था बेहद पिछड़ी हुई थी और औद्योगिकीकरण का हमारे पास लगभग न के बराबर आधार था। ऐसे में आजादी के बाद भारत को अपनी आर्थिक दिशा खुद तय करनी थी। हर तरफ चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। लेकिन इन्हीं चुनौतियों के बीच से हमने 78 सालों में अपनी जो आर्थिक यात्रा तय की है, वह महज आंकड़ों का खेल नहीं है। वह हमारे 78 वर्षों की अथक मेहनत, आत्मावलोकन और साहसिक निर्णयों का परिणाम है।

फर्श से पहुंचे अर्श पर: हमारी आर्थिक उपलब्धि, किसी तरह की तुलना या इम्तिहान के लिए नहीं है। हमने पिछले 78 सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो हमारे आत्मगौरव की जीती-जागती कहानियां हैं। साल 1947 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज की कीमतों पर महज 2.7 लाख करोड़ रुपए था। जबकि 78 सालों बाद आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2024-25 के आकलन के मुताबिक हमारा सकल घरेलू उत्पाद 33.2 लाख करोड़ रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने 78 सालों में करीब 3100 फीसदी आर्थिक प्रगति की है। ये उपलब्धियां और ये आर्थिक विकास हमने पिछले 78 सालों में दिन-रात की मेहनत के बाद हासिल किया है।

करना पड़ा कठिन संघर्ष: जब भारत से अंग्रेज गए थे, तो हमारा औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। हमारा बुनियादी ढांचा पूरी तरह से ध्वस्त था, क्योंकि आजादी के लिए हमने 1857 से लेकर 1947 तक यानी 90 साल तक युद्ध लड़ा था। इस कारण अंग्रेज इस दौरान भारत के अधिक से अधिक संसाधन लूटकर इंग्लैंड ले गए थे और जब उनको ये मालूम पड़ा कि वह अब भारत में नहीं रह सकते, तो उन्होंने हमारे बुनियादी आर्थिक विकास पर विशेषकर औद्योगिक विकास पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया बल्कि अपने ढाई सौ सालों के कार्यकाल में उन्होंने जो आर्थिक ढांचा खड़ा किया था, उसे भारत से जाने के पहले बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। जिस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, हम मूलतः कच्चा माल आपूर्ति करने वाले एक उपनिवेश देश भर थे। इसलिए जरूरी था कि आजादी के बाद भारत का पूरी तरह से आर्थिक पुनर्निर्माण होता और ऐसा ही हुआ।

निरंतर बढ़ते रहे आगे: साल 1950 से 1980 के दौरान भारत ने नियोजित अर्थव्यवस्था की जबर्दस्त कीमत चुकाई। क्योंकि योजनाबद्ध ढंग से विकास करने का एकमात्र यही रास्ता था। जिस कारण लंबे समय तक हमारी आर्थिक विकास दर 3 से 3.5 के बीच रही। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी विकास दर के दौरान हम परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित क्रांति और देश में भारी उद्योगों का निरंतर जाल भी बिछाते रहे, जो हमारी अथक मेहनत और दूरदृष्टि का नतीजा था।

लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रम: 78 सालों के विकास क्रम को देखें तो 1991 के बाद वैश्विक दबावों के बीच हमने आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए, विशेषकर 1991 में तब, जब हमारे पास सिर्फ 15 दिनों के आयात भर के लिए विदेशी मुद्रा शेष थी। उस समय हमने आईएमएफ के पास अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया और आज स्थिति यह है कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से भी ज्यादा का है। 2024 में तो एक समय यह 724 अरब डॉलर की ऊंचाई को भी पार कर गया था। आज भारत आईटी, फार्मा, रक्षा, डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आर्थिक ताकत है।

दूर करनी होंगी कमजोरियां: हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था की कुछ बड़ी कमजोरियां भी हैं, जो आज भी हमें प्रतिव्यक्ति आय के मामले में दुनिया के गरीब देशों की कतार का हिस्सा बनाती हैं। आज भी भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार नहीं है, जिस कारण गांवों से शहरों की ओर तूफानी रफ्तार से पलायन हो रहा है। हमारे देश के असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों की आज भी पहाड़ सरीखी चुनौतियां हैं और आज भी हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कच्चे तेल के आयात पर खत्म होता है। बावजूद इसके भारत आज अपने आपमें एक आर्थिक शक्ति है। साल 2017 के बाद से अब तक हम दुनिया के सर्वाधिक तीव्र गति से विकास करने वाले देश हैं। *

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

शोभित,सुरभित,तेजमय,पावन अरु अभिराम।
राष्ट्र हमारा मान है, लिए उच्च आयाम।।

राष्ट्र-वंदना मैं करूं, करता हूं यशगान।
अनुपमेय, उत्कृष्ट है, भारत देश महान।।

नदियां, पर्वत, खेत, वन, सागर अरु मैदान।
नैसर्गिक सौंदर्यमय, मेरा हिंदुस्तान।।

लिए एकता अति मधुर, गीता और कुरान।
दीवाली-होली सुखद, एक्यभाव-पहचान।।

सारे जग में शान है, मान रहा संसार।
राष्ट्र हमारा है प्रखर, फैलाता उजियार।।

मातु-पिता, गुरु, नारियां, पातीं नित सम्मान।
संस्कार मम राष्ट्र की, है चोखी पहचान।।

तीन रंग के मान से, हैं हम सब अभिभूत।
राष्ट्रवंदना कर रहे, भारत मां के पूत।।

राष्ट्रप्रेम अस्तित्व में, आया नवल विहान।
कण-कण करने लग गया, भारत का यशगान।।

भारत की सीमाओं पर, जमे हुए हैं लाल।
शौर्य, वीरता देखकर, होते सभी निहाल।।

आजादी की वंदना, करता सारा देश।
आओ, हम रच दें यहां, वासंती परिवेश।।

सरोकार
शैलेंद्र सिंह

तब नई पीढ़ी भी समझेगी
स्वाधीनता की कीमत

देश की जो पीढ़ी पिछली सदी के अंत में या इक्कीसवीं सदी में जन्मी है, उसकी जीवनशैली कई मायने में विशिष्ट है। इसलिए उनको स्वाधीनमा की कीमत समझाने के लिए कुछ अलग प्रयास करने होंगे।

आजादी का मतलब सिर्फ गुलामी से मुक्ति भर नहीं होता। आजादी उस आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की अनुभूति है, जो किसी भी समाज के पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन जब हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर अपनी डिजिटल पीढ़ी यानी जेन जेड और अल्फा जनरेशन की तरफ नजर उठाकर देखते हैं, तो बहुत निराशा होती है, क्योंकि इन्हें आजादी की कीमत का मानो कोई भान ही नहीं है। दरअसल, इन पीढ़ियों के लिए आजादी एक डिफॉल्ट सेटिंग की तरह है। ये पीढ़ी किसी संघर्ष या बलिदान की विरासत की हिस्सेदार नहीं रही है और न ही इसे आजादी के लिए अपनी जिंदगी में किसी तरह की कोई कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसे में इन्हें आजादी की कीमत भी समझ आए तो भला कैसे?

डिजिटल जनरेशन की दुनिया: हमारी जेन जेड और अल्फा जनरेशन वास्तव में डिजिटल जनरेशन है। इनकी दुनिया इसके पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इन्हें 24X7 मोबाइल चाहिए, रील चैटबॉट और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स भी चाहिए। इनके पास सूचना का अकूत भंडार है, लेकिन अपने अनुभवों की मुट्ठी भर पूंजी नहीं है। स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, पसंद का पहनावा और प्यार जैसी हर चीज पर इनका अधिकार है और इनको लगता है यह तो सब जन्मसिद्ध अधिकार है यानी, ये तो हर किसी को मिलते ही मिलते हैं। इनके दिमाग में कभी नहीं आता कि संविधान प्रदत्त अधिकार हमें कितनी कुर्बानियां देकर मिले हैं? हमारी पूर्वज पीढ़ियों को इन्हें पाने के लिए कितनी यातनाएं सहनी पड़ी थीं? न जाने कितने लोग जेल गए, न जाने कितने लोग जेल में ही मर गए, हजारों लोगों ने फांसी का फंदा चूमा। आजादी के लिए अपने सारे सपनों को दांव पर लगा दिया, तब कहीं जाकर हमें यह आजादी मिली है। लेकिन डिजिटल जनरेशन को इस सबका प्रायः कोई एहसास नहीं होता है।

नए जमाने की जीवनशैली: हालांकि यह नई जनरेशन संवेदनहीन नहीं है। जलवायु परिवर्तन के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, लैंगिक समानता के लिए और जानवरों को लेकर संवेदनशीलता इस पीढ़ी में भी खूब है। मगर अपने जमाने के मुद्दों के लिए। नई पीढ़ी विरोध और विद्रोह करने से नहीं डरती बल्कि पिछली पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यवस्थित सुधारों और बदलावों की मांग करती है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसका ज्यादातर विरोध ऑनलाइन होता है या कहें यह ऑनलाइन विरोध के लिए खुद को ज्यादा फिट पाती है। वास्तविक धरातल पर इसे उतरना कम पसंद है। उनकी इस सोच के लिए नई पीढ़ी को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाली पुरानी पीढ़ी को भी कुछ बातें याद रखनी होंगी। पुरानी पीढ़ी के लोग सोचते हैं देश, दुनिया, इतिहास और वर्तमान को लेकर जिस तरह की सोच वो रखते हैं, वैसी ही यह नई पीढ़ी भी रखे। सवाल है, आज की पीढ़ी क्यों अपनी पिछली पीढ़ियों की तरह आजादी को लेकर संवेदनशील नहीं है?

पिछली पीढ़ी निभाए दायित्व: मध्य वय और बुजुर्ग वय से गुजर रही पीढ़ी को समझना होगा कि सिर्फ कुछ ऐतिहासिक घटनाओं की बात करने भर से नई पीढ़ी आजादी की लंबी लड़ाई को लेकर अपने पूर्वजों की कृतज्ञ नहीं हो जाएगी। हमें इस पीढ़ी को उन लाखों लोगों की सच्ची कहानियां भी बतानी होंगी, जो साधारण लोग थे और आजादी के लिए कुर्बान हो गए। हजारों किसान, लाखों मजदूर, आदिवासी, स्त्रियां, पत्रकार, आम दस्तकार और शिक्षक जैसे सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आजादी के लिए अपने आपको मिटा दिया। हमारी नई पीढ़ियां आजादी में सांस ले सकें, इसलिए पुरानी पीढ़ियों ने खुद को आजादी के संघर्ष की नींव में कैसे गला दिया। हमें नई पीढ़ी को बिना लाग-लपेट के, बिना किसी तरह के अतिवादी जिक्र के, इन आम लोगों के दुख दर्द को भी साझा करना होगा। हमें नई पीढ़ी को ये समझाना होगा कि लाखों जीवंत उदाहरणों से कि हमें जो आजादी मिली है, वह तर्क-वितर्क से नहीं मिली, वह कुछ गिने चुने लोगों के प्रताप से नहीं मिली बल्कि लाखों लोगों की कुर्बानियों से मिली है। जब हम अपनी नई जनरेशन को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पीढ़ी का समूचा ब्योरा सौंपेंगे, तब कहीं जाकर इस पीढ़ी में इस सबके प्रति संवेदना उमड़ेगी। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि संविधान का उपहार हमें यूं ही नहीं मिल गया।

उनके सवालों का दें तार्किक जवाब: नई पीढ़ी अकसर सवाल पूछती है कि स्वाधीनता सेनानियों ने ऐसा क्यों नहीं किया? वैसा क्यों नहीं किया? तो हमें इस पीढ़ी को बताना होगा कि यह पूरा मसला महज कुछ चाहने और कह देने भर का नहीं था। ये बेहद जटिल और बेहद दुरुह मसले थे, इतना आसान नहीं है यह कहना कि फलां ने यह क्यों नहीं किया? कई बार इतिहास की कुछ विरासतें हमारे नियति का हिस्सा होती हैं। विभाजन भी ऐसी ही नियति थी। पुरानी पीढ़ी को जरूरत है कि वह नई पीढ़ी के लिए सिर्फ उपदेशक न बने, बल्कि इस बात की गहराई से पड़ताल करे कि आखिर उसे आजादी के अथक संघर्ष को लेकर उतनी संवेदनशीलता क्यों नहीं है, जितनी होनी चाहिए? तब हम नई पीढ़ी को आजादी की कीमत समझाने में सफल हो सकेंगे। अगर आज की नई पीढ़ी अपने तरीके से आजादी की परिभाषा गढ़ना चाहती है, तो यह उसका हक है। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में खुद को कुर्बान करके हमारे लिए स्वतंत्रता अर्जित की है, उन्हें यूं ही नहीं भूला जा सकता। पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को इसके महत्व और इसकी संवेदनशीलता को समझाए। यह पीढ़ी तेज है, त्वरित अंदाज में निर्णय लेती है, इसलिए अगर इस पीढ़ी को यह बात सही तरीके से बता दी जाए कि हमें जो आजादी हासिल है, वह लाखों लोगों के बलिदान और देशभक्ति का नतीजा है, तो नई पीढ़ी को आजादी का पाठ पढ़ाना और उसके लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाना इतना मुश्किल नहीं होगा। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

प्रतिबंधित पत्रकारिता के अनसुने किस्से

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सिर्फ आंदोलनकारी ही जेल नहीं भेजे गए बल्कि आंदोलन के समर्थन में पत्र-पत्रिकाएं निकालने वाले अनेक संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया था। साथ ही अनेक अखबार या उनके विशेष अंक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। ऐसे ही प्रतिबंधित अंकों की खोजबीन कर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रोफेसर, संतोष भदौरिया ने उसे पुस्तक रूप दिया है, जिसका नाम है-अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता।

किताब भारत में स्वाधीनता आंदोलन के विकास की चर्चा से शुरू हुई है, जिसमें लेखक ने इसके विभिन्न चरणों के बारे में संक्षिप्त किंतु उपयोगी जानकारी दी है। इसमें लेखक ने स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरणों की विशेषताओं के साथ व्यावहारिक कमियों को भी उजागर किया है। साथ ही आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास का क्रमबद्ध तरीके से वर्णन किया है। लेखक ने अंग्रेजी राज में प्रतिबंधित, प्रेस अधिनियम के चलते बंद या आर्थिक अभाव की वजह से बंद हुई सभी पत्र-पत्रिकाओं का लगभग पूरा इतिहास खंगालने का प्रयास किया है।

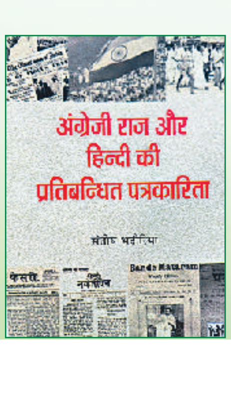

पुस्तक इस मायने में बेहद दिलचस्प है कि प्रतिबंधित पत्रिकाओं में छपे विचार, लेख, कविताओं के अंश भी इसमें दिए गए हैं, जिन्हें आज के समय में पढ़ना एक नए अनुभव से गुजरना है। उस दौर के लेखकों की क्रांतिकारी कविताओं को पढ़कर उस वक्त के भारतीय लोगों के मन में मौजूद राष्ट्रप्रेम के उफान को समझा जा सकता है। मिसाल के तौर पर 'बुंदेलखंड केसरी' में छपी एक कविता को देख सकते हैं, 'देख दशा भारत की हमने निश्चय मन में ठाना है। मातृभूमि की बलिवेदी पर निज बलिदान चढ़ाना है।' प्रतिबंधित पत्र-पत्रिकाओं के छपने के तमाम अनसुने किस्सों को पढ़कर यह पता चलता है कि किताब को लिखने के लिए लेखक ने शोध कार्य में कितना परिश्रम किया है। यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि किताब ऐतिहासिक विषय पर आधारित होने के बावजूद कहीं भी बोझिल नहीं लगती है। यह पुस्तक उस दौर की प्रतिबंधित पत्रकारिता के क्रमिक इतिहास को सुगठित तरीके से प्रमाणित सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत करती है। *

किताब: अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता, **लेखक:** संतोष भदौरिया, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

विशेषः जन्माष्टमी, 16 अगस्त

पर्वोल्लास / धीरज बसाक

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को समर्पित जन्माष्टमी का पर्व पूरे देश में असीम श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के कुछ प्रदेशों एवं प्रमुख कृष्ण मंदिरों में मनाए जाने वाले विशेष उत्सवों के बारे में यहां बता रहे हैं विस्तार से।

श्रद्धा-उल्लास से मनाया जाता है देश-विदेश में जन्माष्टमी पर्व

द्वारकाधीश मंदिर द्वारका, गुजरात

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और वृंदावन है तो उनकी कर्मभूमि द्वारका है। श्रीकृष्ण ने अपने बचपन की अठखेलियां और रास लीलाएं ब्रज में कीं, तो द्वारका उन्हें द्वारकाधीश यानी द्वारका के राजा के तौर पर जानता है। भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि द्वारका में जन्माष्टमी उत्सव बहुत ही भव्यता के साथ मनाया जाता है। इस दिन द्वारका के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर को फूलों और दीयों से सजाया जाता है। इस दिन यहां के खास आकर्षणों में मंगला आरती और झूलन उत्सव प्रमुख हैं। जन्माष्टमी के दिन गुजरात में समुद्र के किनारे स्थित द्वारका नगरी में देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु और पर्यटक यहां इस मंदिर के जन्माष्टमी उत्सव में शामिल होते हैं। *

इंफाल की रास लीला, मणिपुर

देश का उत्तर-पूर्व भी कृष्ण भक्ति में डूबा रहने वाला भू-भाग है। विशेषकर मणिपुर में वैष्णो समुदाय, कृष्ण जन्माष्टमी को पारंपरिक रास लीला और विख्यात मणिपुरी नृत्य के विशिष्ट संयोजन के साथ मनाते हैं। इस दिन पूरे इंफाल में जगह-जगह रास लीलाओं का आयोजन होता है। कृष्ण जन्माष्टमी पर इंफाल में आयोजित होने वाली रास लीला पूरी दुनिया में विख्यात है। इस रास लीला में भगवान कृष्ण के जीवन के विभिन्न पहलुओं का अत्यंत भक्तिपूर्ण ढंग से मंचन होता है और यह मंचन विशेष मणिपुरी नृत्य पर आधारित होता है। *

मुंबई का दही हांडी उत्सव, महाराष्ट्र

मुंबई में कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव देश के दूसरे हिस्सों से बिल्कुल अलग जोश और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन महाराष्ट्र के लगभग हर शहर में और उसमें भी विशेष तौर पर मुंबई में हर गली में एक ऊंचे स्थान पर दो पेड़ों या दो इमारतों के बीच बंधी रस्सी में बीचों-बीच जहां चारों तरफ खुला मैदान होता है, बहुत ऊंचे एक हांडी बांधी जाती है, जिसमें दही, मिठाइयां और रुपए भरे होते हैं। कृष्ण के बाल सखा माने जाने वाले गोविंदा मानव पिरामिड का आकार बनाकर हवा में हांडी तक पहुंचते हैं और फिर इसे तोड़ते हैं। मुंबई में जन्माष्टमी के दिन गोविंदाओं की टोलियां दही-हांडी उत्सव में घूम-घूमकर हिस्सा लेती हैं और जब एक टोली हांडी तक नहीं पहुंच पाती, तो दूसरी टोली को उसके लिए मौका दिया जाता है। हांडी फोड़ने वाले मित्रमंडल/टोली को उत्सव का आयोजन करने वाली सोसायटी या मुहल्ला पुरस्कृत करता है। *

उडुपी श्रीकृष्ण मठ, कर्नाटक

दक्षिण भारत में कृष्ण भक्तों की श्रद्धा का एक महत्वपूर्ण केंद्र उडुपी है। जन्माष्टमी के दिन कर्नाटक के उडुपी स्थित उडुपी श्रीकृष्ण मठ में विशेष पूजा, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। मंदिर में कृष्ण लीला, नाटक, रथयात्रा और ध्वजारोहण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान पूरे उडुपी शहर में रात्रि जागरण का माहौल होता है। हर तरफ लोग कृष्ण भक्ति में डूबे दिखते हैं। रात 12 बजे भगवान कृष्ण के जन्म के बाद यह उत्सव अपने चरम पर पहुंचता है और फिर दिनभर भजन कीर्तन में रमे रहने वाले भक्तजन प्रसाद खाकर अपना उपवास-व्रत तोड़ते हैं। द्वारका की तरह ही उडुपी में भी जन्माष्टमी पर देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। *

विदेशों में जन्माष्टमी उत्सव की छटा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सिर्फ भारत में ही मनाया जाने वाला उत्सव नहीं है। यह एक वैश्विक उत्सव है। भारत के बाहर नेपाल, बांग्लादेश, फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम आदि देशों में भी भव्य जन्माष्टमी उत्सव मनाए जाते हैं। नेपाल के पत्थर गांव और काडमांडू स्थित कृष्ण मंदिरों में इस दिन भक्तों की भीड़ उमड़ती है और नृत्य, भजन संध्या तथा झूलों की परंपरा से उत्सव मनाया जाता है। बांग्लादेश में ढाका स्थित जैसोर में जन्माष्टमी को भव्य पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन यहां शोभा यात्रा, भगवत गीता पाठ और सांस्कृतिक नाटकों का मंचन होता है। फिजी, मॉरीशस और सूरीनाम में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोग कीर्तन मंडलियों के जरिए कृष्णलीला का मंचन और भजन गाते हैं। इसके अलावा लंदन (ब्रिटेन) के इस्कॉन मंदिर, अमेरिका के न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन और लॉस एंजिल्स आदि के इस्कॉन मंदिरों में भी जन्माष्टमी में भव्य सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं। इसके साथ ही यूरोप में रूस, यूक्रेन, हंगरी और जर्मनी के इस्कॉन मंदिरों में भी कृष्ण जन्माष्टमी बहुत भव्य तरीके से आयोजित की जाती है। *

काडमांडू स्थित कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव

कहानी

आशा शर्मा

स्वतंत्रता दिवस का यह मतलब कतई नहीं होता कि इस दिन को हम मौज-मस्ती करके बिता दें। राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर देशप्रेम से ओत-प्रोत ना हों। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद ना करें। राष्ट्रीय पर्व के महत्व पर केंद्रित कहानी।

आजाद वीकेंड

इस बार लंबा वीकेंड आ रहा है, क्यों न ऋषिकेश चलें? सुना है वहां की कैंप लाइफ बहुत शानदार होती है। खाना-पीना और नदी किनारे मस्ती... क्या कहते हो?' बिजी कॉर्पोरेट लाइफ से उकताई राजी को वास्तव में एक ब्रेक की जरूरत महसूस हो रही थी। 'लंबा वीकेंड? कब है यह सुनहरा अवसर?' साथी श्यामली ने चहकते हुए पूछा तो राजी ने टेबल पर रखा कैलेंडर उसके सामने कर दिया। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस का अवकाश और उसके बाद शनिवार और रविवार... देखते ही श्यामली भी तुरंत तैयार हो गई। समीर और अयान तो जैसे अवसर की तलाश में ही थे। सबने शुक्रवार की सुबह ऋषिकेश जाने का कार्यक्रम बना लिया।

'लेकिन उस दिन तो ऑफिस में भी झंडारोहण होगा ना, उसे छोड़कर कैसे जा सकते हैं?' अयान ने प्रश्न उठाया।

'क्या यार अयान...! एक तुम्हारे नहीं होने से क्या वहां का सारा प्रोग्राम कैंसल हो जाएगा? चिल करो यार। आजादी का जश्न मनाने ही तो जा रहे हैं हम लोग।' राजी ने बेपरवाही से कहा और उसके बाद सभी प्रश्न समाप्त हो गए। शुक्रवार यानी स्वतंत्रता दिवस की सुबह छह बजे चारों दोस्त कार से रवाना हुए। समीर गाड़ी चला रहा था, अयान उसकी बगल में बैठा था। राजी और श्यामली पीछे की सीट पर पालथी मारकर बैठी थीं।

सुबह की ठंडी हवा से अठखेलियां करते चारों बढ़े जा रहे थे। रास्ते में आने वाले गांवों में स्कूल जाते हाथों में तिरंगा लिए बच्चे सम्मोहित कर रहे थे। जगह-जगह स्कूल और अन्य प्रतिष्ठानों में देशभक्ति के गीत गूंज रहे थे। जोशीले गाने सुनकर श्यामली के रोम खड़े हो गए। शरीर में सिहरन सी दौड़ गई।

'क्या सचमुच लोग आजादी के लिए इतने दीवाने हो गए थे कि उन्हें मरने तक से डर नहीं लगा? हमें देखो! जरा सा भी दर्द बर्दाश्त नहीं होता।' श्यामली ने अचानक कहा तो सब उसे आश्चर्य से देखने लगे।

'जरूर हुए ही होंगे, आजादी क्या प्लेट में परोसी हुई मिली थी। मेरे दादा जी बताते थे कि उनके पिताजी स्वतंत्रता सेनानी थे। नेताजी की आजाद हिंद फौज के सिपाही। आज भी उनकी तस्वीर हमारे घर में रखी है।' अयान ने गर्व से बताया और गर्दन घुमाकर बारी-बारी से सबकी तरफ देखा। उसे बाकी दोस्तों की आंखों में अपने लिए अतिरिक्त सम्मान दिखाई दिया। सबके मुंह आश्चर्य से टेढ़े हुए सो अलग। तभी अचानक समीर ने जोरदार ब्रेक लगाया। पीछे की सीट पर बैठी राजी और श्यामली का सिर आगे की सीट से टकरा गया।

'यह क्या पागलपन है समीर? ऐसे कैसे गाड़ी चला रहे हो? मरवाओगे क्या?' सब एक साथ चिल्लाए। 'वो अचानक सामने से वह लंगड़ा व्यक्ति आ गया था। अभी तो मर ही जाता!' कहते हुए झल्लाए समीर ने गाड़ी रोकी और लपक कर नीचे उतरा। देखा तो वह लंगड़ा व्यक्ति अभी भी उसी तरह सड़क के बीचों-बीच खड़ा था।

'मरोगे क्या? इस तरह कौन बीच सड़क पर खड़ा हो जाता है।' समीर उस भिखारी जैसे दिखने वाले बूढ़े दिव्यांग व्यक्ति पर चिल्लाया। वह व्यक्ति अपनी बैसाखी बगल में दबाए चुपचाप सावधान की मुद्रा में खड़ा रहा। अब तक बाकी तीनों भी वहां आ चुके थे। उन्हें भी यह देखकर हैरानी हुई कि उस व्यक्ति के चेहरे पर अभी-अभी घटित होने वाले एक्सीडेंट के बारे में सोचकर किसी भी प्रकार की घबराहट के निशान दिखाई नहीं दे रहे हैं। तभी उस व्यक्ति ने अपनी पोजीशन बदली और बैसाखी को ठीक से अपनी बांह के नीचे दबा लिया।

'सामने उस स्कूल में राष्ट्रगान की धुन बज रही थी ना, इसलिए मैं खड़ा हो गया। माफ करना लेकिन मैं अपने राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान के प्रति अपनी भावनाओं और उसके सम्मान को नजरअंदाज नहीं कर सका। आप लोगों को तो शायद पता भी नहीं होगा कि राष्ट्रगान के समय ध्वज के सम्मान में सावधान खड़ा होना चाहिए।' व्यक्ति ने कहा तो सबकी निगाहें झुक गईं। सच जानकर समीर को अपने व्यवहार पर बहुत दुःख हुआ। वह हाथ पकड़ कर उस व्यक्ति को सड़क पार करवाने लगा। तभी उस व्यक्ति ने अपनी बैसाखी हटाई और लकड़ी के सहारे अपने पांवों से चलने लगा। सब एक-दूसरे को आश्चर्य से देखने लगे। बूढ़े व्यक्ति का यह आचरण किसी के भी समझ में नहीं आया, किंतु वह व्यक्ति उनकी दुविधा समझ गया था।

'मैं भला आजादी की कीमत कैसे भूल सकता हूं। मेरे पिताजी ने आजादी की लड़ाई में भाग लिया था और अंग्रेजों की गोली लगने से वे अपना एक पांव गंवा बैठे थे। उन्हीं को याद करते हुए मैं आज के दिन बैसाखी के सहारे चलता हूं ताकि उनकी कुर्बानी भूल नहीं जाऊं। आज की पीढ़ी को भले ही यह मजाक लगता होगा, लेकिन हमारी पीढ़ी के लिए यह दिन कितना महत्व रखता है, यह मैं बता नहीं सकता।' कहते हुए वह व्यक्ति भावुक हो गया। अब तक सब उसका हाथ थामे सड़क के दूसरी पार भी आ गए थे। सबकी निगाहें झुकी हुई थीं।

'मुझे लगता है हमें वापस जाना चाहिए। क्यों न आज के दिन हम कोई देशभक्ति की भावना वाली फिल्म देखें?' राजी ने नया प्रस्ताव रखा तो सब एक बार फिर से हैरान हो गए लेकिन तुरंत संभल भी गए।

'ठीक कहते हो लेकिन उससे पहले ऑफिस जाकर तिरंगे को सलामी देंगे।' अयान ने आगे जोड़ा तो सब एकमत हो गए और अब गाड़ी ऋषिकेश जाने की बजाय ऑफिस की तरफ दौड़ रही थी। *

नया दौर

लोकमित्र गौतम

भगवान कृष्ण के प्रति भक्तिभाव रखने वालों के लिए तो वे पूज्य हैं ही। लेकिन उनके व्यक्तित्व में कई ऐसे गुण हैं, जो उन्हें आज के युवाओं के लिए भी आइकन बना देता है। इसीलिए देश-दुनिया के युवाओं में जन्माष्टमी की धूम दिखती है।

रील्स-मीम्स के दौर में युवाओं के ग्लोबल आइकन हैं श्रीकृष्ण

आज का दौर तेजी से बदलते दृश्यों और पल भर की लोकप्रियता का दौर है। यही कारण है कि आज बड़े-बड़े त्योहारों और उत्सवों का रंग भी नई पीढ़ी के सिर चढ़कर आसानी से नहीं बोलता। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इसी रील्स और मीम्स के दौर में जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर रील्स, मीम्स और वायरल ट्रेंड संस्कृति का नया चेहरा बन गए हैं, तब जन्माष्टमी दुनिया के लगभग 108 देशों में मनाई जा रही है। और हॉटस्टार जैसे टीवी चैनल जो कि पूरी तरह से खेलों और वेब सीरीज को समर्पित हैं, महीनों पहले से बार-बार विज्ञापन करते हैं कि जन्माष्टमी का कार्यक्रम सीधे प्रसारित किया जाएगा। अगर जन्माष्टमी जैसे पर्व के प्रति पूरी दुनिया में इस किस्म का आकर्षण उभर रहा है, तो इसका अर्थ केवल धार्मिक नहीं है बल्कि इसके पीछे सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल अनुकूलता का गहरा संबंध है।

परंपरा का डिजिटलीकरणः हर साल भाद्रपद की अष्टमी को मनाया जाने वाला कृष्ण जन्म का पर्व जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति में पारंपरिक रूप से मनाया जाता है। जैसा कि हम सब जानते हैं जन्माष्टमी की रात 12 बजे कंस की जेल में बंद बहन देवकी की कोख से एक दिव्य बालक श्रीकृष्ण जन्म लेते हैं, जो धर्म की पुनर्स्थापना का सूत्रधार बनते हैं। आमतौर पर मंदिरों में भजन संकीर्तनों तक सीमित रहने वाले श्रीकृष्ण, आज की डिजिटल दुनिया में भरपूर स्वीकृत हुए है, तो इसके कुछ कारण हैं।

कृष्ण केवल भगवान नहीं, एक विचार हैंः आज का युवा सही मायने में वैश्विक नागरिक है। एक ऐसी दुनिया का नागरिक, जो अपनी पारंपरिक संस्कृति से अगर जुड़ना जानता है, तो उसकी बेड़ियों को तोड़ना भी जानता है। हां, यह जरूर है कि आज का युवा अपने करियर की चिंता में रहता है। आज का युवा रिश्तों में उलझा है और जीवन के नए अर्थ तलाश रहा है। आज का युवा सिस्टम से सवाल करता है। ऐसे में श्रीकृष्ण उसका मार्गदर्शन करते हैं। कृष्ण का पूरा जीवन संघर्षों से भरा रहा। कष्ट और संकटों के बीच जन्म, बचपन में वध के अनेक प्रयास, युवावस्था में युद्ध, राजनीति, मित्रता और प्रेम के भ्रम, फिर भी इन सारी परेशानियों और संघर्षों के बीच कृष्ण मुस्कुराते रहते हैं, नाचते रहते हैं और बांसुरी बजाते रहते हैं। यह इतना उद्दाम जीवन चरित्र है, जो दुनिया भर के, हर संस्कृति के युवाओं को अपनी ओर खींचता है। कृष्ण सीख देते हैं कि जियो और वह भी पूरी लय में, इसलिए वे युवाओं के चहेते बने हुए हैं।

संस्कृति की सॉफ्टपावरः एक तरफ कृष्ण का अद्भुत कैरेक्टर युवाओं को अपनी तरफ चुंबक के माफिक खींचता है, तो दूसरी तरफ जन्माष्टमी का ग्लोबल आकर्षण यह दर्शाता है कि भारतीय संस्कृति सीमाओं में कैद नहीं है। यही वजह है कि आज न्यूयॉर्क से लेकर नैरोबी तक और लंदन से लेकर सिडनी तक कृष्ण भक्तों ने जन्माष्टमी को ग्लोबल फेस्टिवल बना दिया है। रासलीला, दही हांडी और कृष्ण जन्मोत्सव आज भारत की विदेशों में सांस्कृतिक पहचान है। सिर्फ पहचान ही नहीं, यह सांस्कृतिक कूटनीति का हिस्सा भी है। जन्माष्टमी के गीत, डांस, कॉस्ट्यूम ट्रेंड और डिजिटल झांकियां अब डिजिटल आर्ट और क्रिएटिविटी का हिस्सा हैं। ये बदलाव साबित करते हैं कि कृष्ण ग्लोबल आकर्षण का विषय क्यों हैं? कृष्ण का विचार और कृष्ण का होना उस दौर में भी नया और आधुनिक था और इस दौर में भी नया और आधुनिक है। डिजिटल युग में कृष्ण की प्रासंगिकता पहले से ज्यादा बढ़ गई है।

कृष्ण की यूनिवर्सल अपीलः श्रीकृष्ण केवल हिंदू धर्म के देवता भर नहीं हैं। वे एक फिलॉस्फर हैं, वे एक योद्धा हैं, वे एक प्रेमी हैं, वे एक दोस्त हैं, वे एक रणनीतिकार हैं और वे एक मेंटर भी हैं। हर संस्कृति में वह किसी न किसी रूप में फिट बैठते हैं। यही कारण है कि वह हर संस्कृति में स्वीकार्य हैं। *

बॉलीवुड ट्रेंड/ अशोक जोशी

हिंदी फिल्मों के आरंभिक दौर से ही देशभक्ति पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। इन्हें एंटरटेनिंग बनाने के लिए काफी फिल्मी मसाले भी डाले जाते हैं। यही वजह है कि ऐसी फिल्मों को दर्शक भी खूब पसंद करते हैं। देशभक्ति पर आधारित कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

हिंदी फिल्मों में देशभक्ति के रंग

पंद्रह अगस्त हो या छब्बीस जनवरी, राष्ट्रीय पर्व आते ही देशवासियों में देश प्रेम और देशभक्ति की भावनाएं हिलोरे लेने लगती हैं। देश प्रेम की यह भावना हिंदी फिल्मों में भी खूब उभर कर आई है। यह बात अलग है कि समय के साथ हिंदी फिल्मों में देश प्रेम को व्यक्त करने के तरीके बदलते रहे हैं।

ब्रिटिश काल में हिंदी फिल्में

आजादी के पहले देशभक्ति पर आधारित तमाम फिल्मों में ब्रिटिश शासन को निशाने पर रखकर फिल्मकार देशभक्ति पर आधारित फिल्में बनाते थे। उस दौर में सेंसरशिप सख्त होने के कारण वे सीधे-सीधे तो अंग्रेजों पर हमला नहीं कर सकते थे, लेकिन परोक्ष या सांकेतिक रूप से ब्रिटिश शासन के खिलाफ हिंदी फिल्में और उनके गीत स्वंतत्रता संग्राम का खूब समर्थन करते थे। इस संदर्भ में कवि प्रदीप का लिखा गीत 'दूर हटो ऐ दुनिया वालो हिंदुस्तान हमारा है' प्रासंगिक है। यह गीत वैसे तो ब्रिटिश राज के विरुद्ध था, लेकिन ब्रिटिश अधिकारियों को इस गीत के बारे में बताया गया कि ब्रिटिश शासन का पक्ष लेकर विश्व युद्ध में उसके खिलाफ लड़ने वालों से कहा जा रहा है कि 'हिंदुस्तान हमारा' अर्थात ब्रिटिश शासन का है।

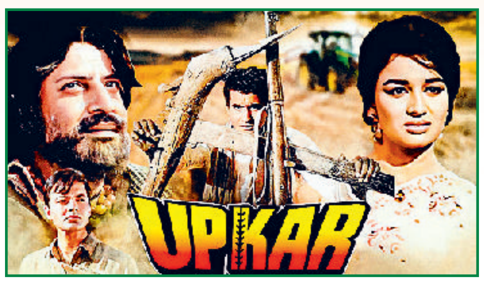

शुरुआती दौर की फिल्मों में देशभक्ति

आजादी के बाद एक-दो दशक तक बनने वाली देशभक्तिपूर्ण फिल्मों में स्वतंत्रता संग्राम के किस्सों को ही ज्यादातर दिखाया जाता रहा। इन फिल्मों में दिलीप कुमार की 'शहीद' प्रमुख थी। उन दिनों शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और झांसी की रानी जैसे महान चरित्रों को केंद्र में रखकर सेल्यूलाइड पर देश प्रेम के रंग भरे गए। 1962 के भारत-चीन युद्ध के विषय पर चेतन आनंद ने 'हकीकत' जैसी सार्थक फिल्म बनाई।

देशभक्ति फिल्मों ने मनोज को बनाया भारत कुमार

भगत सिंह के चरित्र पर आधारित फिल्म 'शहीद' की सफलता के बाद मनोज कुमार को जैसे फिल्म निर्माण की एक अलग दिशा मिल गई। इसके चलते ही मनोज कुमार ने 'उपकार', 'पूरब और पश्चिम', 'क्रांति', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी कई फिल्में बनाईं, जो या तो देशभक्ति पर आधारित थीं या इन फिल्मों में कहीं न कहीं देश प्रेम की भावना घुली-मिली थी। इन फिल्मों को दर्शकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपनी देशभक्ति आधारित फिल्मों की वजह से ही मनोज कुमार बॉलीवुड में 'भारत कुमार' के रूप में मशहूर हो गए।

बदल गया देशभक्ति फिल्मों का स्वरूप

आगे चलकर, खासतौर से भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद देशभक्ति की फिल्मों का एक महत्वपूर्ण विषय भारत और पाकिस्तान का युद्ध और आतंकवाद बन गया। जे.पी. दत्ता ने भारत और पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर' का निर्माण किया। इस मल्टी स्टारर फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला। 'बॉर्डर' को कुछ हद तक 'हकीकत' की शैली में बनाने का प्रयास किया गया। इस फिल्म के गीत भी खूब लोकप्रिय हुए थे। जावेद अख्तर द्वारा लिखा गया फिल्म का गीत 'संदेसे आते हैं' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। यह गीत 15 अगस्त, 26 जनवरी जैसे अवसरों पर आज भी बजाया जाता है।

निर्माता-निर्देशक अनिल शर्मा की सनी देओल और अमीषा पटेल को लेकर बनाई गई फिल्म 'गदर : एक प्रेम कथा' में भी भारत-पाकिस्तान एंगल था। 'हिंदुस्तान जिंदाबाद था, हिंदुस्तान जिंदाबाद है और हिंदुस्तान जिंदाबाद रहेगा' जैसे देशभक्ति से भरे डायलॉग्स ने फिल्म की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उसके बाद आई आमिर खान की 'सरफरोश' में भी देशभक्ति का यही रंग था। इसमें आतंकी नेटवर्क के तार पाकिस्तान से जोड़कर दिखाया गया था। इस फिल्म को भी अच्छी सफलता हासिल हुई थी। हालांकि 'बॉर्डर' के बाद न तो जेपी दत्ता सफल हो पाए और न ही अनिल शर्मा बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा सके। देशभक्ति पर आधारित उनकी 'रिफ्यूजी' और 'वीर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रहीं। हालांकि अनिल शर्मा की 'गदर 2' ने अच्छी सफलता हासिल की।

देशभक्ति फिल्मों का नया ट्रेंड

पिछले कुछ वर्षों से अक्षय कुमार को भारत कुमार की पदवी मिली हुई है। उनकी कई फिल्मों में देशभक्ति की भावना खूब नजर आती है। पाकिस्तान को कोसने, उसकी नापाक हरकतों और उसके आतंकी मंसूबों को भी अक्षय कुमार की कुछ फिल्मों में दिखाया गया है। 'केसरी', 'बेबी', 'एयरलिफ्ट', 'हॉलिडे' और 'रुस्तम' जैसी अक्षय कुमार कई फिल्मों में देशभक्ति के अलग-अलग रंग दिखे। हाल में आई 'केसरी 2' से वह एक बार फिर देश प्रेम की भावना दर्शकों तक पहुंचाने में सफल रहे हैं।

भारतीय युवाओं में क्रिकेट से लेकर राजनीति हर क्षेत्र में पाकिस्तान से आगे रहने और उसे पराजित करने की भावना को उभारने में भी फिल्मकारों को महारथ हासिल है। इसीलिए ऐसी फिल्में भी खूब बनती हैं। *